धनबाद, मंगलवार
30 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 270
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

मुख्यमंत्री ने इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित 1,042 सहायक आचार्यों के बीच बांटे नियुक्ति पत्र

रांची,(एजेंसी) : आने वाले समय में राज्य के बौद्धिक क्षेत्र का आयाम कैसा हो और हमारे आने वाली पीढ़ी अपने पैरों पर कैसे खड़ी हो, यह अब आप सभी नव नियुक्त सहायक शिक्षकों को तय करना है। आज से आप राज्य सरकार के अभिन्न अंग के रूप में कार्य करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में झारखंड किस प्रकार अग्रणी राज्यों की श्रेणी में आकर खड़ा हो, यह आपकी जिम्मेवारी है। राज्य सरकार ने आप नव नियुक्त शिक्षकों को केवल नौकरी नही, बल्कि राज्य की भावी पीढ़ी का भविष्य गढ़ने की एक महत्त्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी है। आज का यह दिन केवल नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके परिवारजनों के लिए भी गर्व और हर्ष का अवसर है। उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कही। वे आज टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची में आयोजित 1,042 नव चयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों का नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने नव नियुक्त सहायक आचार्यों को अपनी ओर से उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। शिक्षकों के ज्ञान, व्यवहार और कार्यशैली से राज्य के बच्चों का भविष्य तय होगा।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि सरकारी संस्थानों की कमियों-खामियों पर अक्सर उंगलियां उठती हैं, जिनमें से कुछ सही होती हैं तो कई गलत। झारखंड सरकार की जिम्मेवारी राज्य के सवा तीन करोड़ लोगों के प्रति है–जिसमें अधिकारी, कर्मचारी, बुजुर्ग, किसान, महिलाएं, नौजवान और छात्र शामिल हैं। यहां तक कि हवा, पानी सहित मूलभूत बुनियादी सुविधाओं के विकास की जिम्मेवारी भी जनता द्वारा चुनी गई सरकार की है, लेकिन, एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि नागरिकों की भी अपनी अलग जिम्मेवारी है। यदि सभी लोग एक जिम्मेवार नागरिक के रूप में व्यवहार करें और अपना 'सिविक सेंस' मजबूत करें, तो व्यवस्था में बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव आ सकता है।

सरकार की आंख, कान और हाथ बनकर कार्य करें

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज से आप सभी नव नियुक्त सहायक आचार्य सरकार की आंख, कान और हाथ बनकर कार्य करेंगे। झारखंड की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण रही है, इसलिए दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की जिम्मेवारी आप सभी के कंधों पर रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के विद्यालयों से बच्चों के साथ कोई भी अप्रिय अथवा दुर्व्यवहार की खबर सामने नहीं आनी चाहिए। अगर बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की बर्बरता या अमानवीय व्यवहार होती है, तो सरकार जितनी संवेदनशीलता से शिक्षकों को आगे बढ़ाने की सोच रखती है, कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उतने ही कड़े कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक अपनी जिम्मेवारी पूरी ईमानदारी और तत्परता के साथ निभाएंगे, तो समाज और राज्य दोनों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाली घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से बच्चों के प्रति संवेदनशील और कुशल व्यवहार अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में किसी व्यक्ति की जाति या धर्म नहीं, बल्कि उसकी क्षमता, दक्षता, कार्य और विचार को महत्व देती है, इसलिए शिक्षकों को समाज में सकारात्मक माहौल बनाते हुए सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में एकजुट होकर काम करेंगे, तो किसी भी चुनौती का सामना डटकर किया जा सकता है।

लाखों में से चयनित युवा हैं बौद्धिक संपदा, दुर्गम क्षेत्रों में संभालें शिक्षा का मोर्चा

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा परीक्षा में शामिल लाखों आवेदकों में से चुने गए आप सभी लोग बौद्धिक रूप से बेहद संपन्न हैं। यह नियुक्तियां व्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कीर्तिमान है। सरकार के पिछले कार्यकाल में जहाँ 55 हजार से अधिक नियुक्तियां दी गई थीं, वहीं वर्तमान कार्यकाल के दूसरे महीने से ही स्वास्थ्य विभाग समेत विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड संभावनाओं और प्रतिभाओं वाला राज्य है। राज्य ने हमेशा देश-दुनिया को प्रचुर मात्रा में संसाधन दिए, लेकिन उसके बदले इस राज्य को बहुत कम मिला है, यही कारण है कि यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की शुरूआत काफी विलंब से हुई, आज इसी चुनौती को भेदने की जिम्मेवारी आप सभी नवनियुक्त शिक्षकों को सौंपी जा रही है, जो दुर्गम और सुदूर क्षेत्रों में जाकर अपने आचरण और व्यवहार से समाज में बदलाव लाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लम्बे समय तक इस राज्य को केवल खनिज संपदा के रूप में देखा गया, लेकिन अब राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार और युवाओं के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए योजनाओं को मूर्त रूप दे रही है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय ने बदली धारणा

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने निजी विद्यालयों के समानांतर राज्य में 'मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय' मॉडल को खड़ा किया है। वर्ष 2021 में शुरू हुए इस प्रयास का असर आज यह है कि शहरी व अन्य क्षेत्रों में जहाँ 9 से 10 हजार सीटें उपलब्ध हैं, वहीं दाखिले के लिए 40 हजार से अधिक आवेदन आ रहे हैं, जो सरकारी शिक्षा पर बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के नियुक्ति पत्र वितरण में 200 से अधिक की संख्या में विज्ञान संकाय के शिक्षकों की बहाली हुई है। अक्सर हमारे सरकारी विद्यालयों में साइंस शिक्षकों की कमी होने की शिकायत मिलती थी। सरकार ने अब साइंस विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति की है। अब हमारे बच्चे विज्ञान की पढ़ाई कर इंजीनियर, डॉक्टर बनेंगे। प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सरकारी विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

नव नियुक्त सहायक आचार्यों ने अपने अनुभव साझा किए..

नव नियुक्त सहायक आचार्य के पद पर चयनित रांची की श्रीमती सीता कुमारी ने अपनी अनुभव को साझा करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के करकमलों से उन्हें नियुक्ति पत्र मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 22 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद उन्हें नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में झारखंड शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

ब्रीफ न्यूज

हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री

रांची,(एजेंसी) : झारखंड सरकार की ओर से छात्र-छात्राओं के उज्वल भविष्य के लिए संचालित योजनाओं के तहत सोमवार को रांची में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश के कल्याण मंत्री चमरा लिण्डा ने टीवीएस सीएम एसओई जगन्नाथपुर, रांची क्लस्टर प्वाइंट से 10 विद्यालयों के कुल 693 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए संकल्पित है। उन्होंने बताया कि मेडिकल एवं इंजीनियरिंग जैसी उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए छात्रों को कोटा के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे मोशन एजुकेशन से जोड़कर विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि छात्र अपने सपनों को साकार कर सकें। **शेष पृष्ठ-4....**

राज्यसभा के आठ नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली,(एजेंसी) : राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को राज्यसभा में सात नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई।

शपथ लेने वाले सदस्यों में मानसिंह मेरामन परमार, तरुण चुघ, डॉ. अलका सिंह, जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया, राजेंद्र हीरालाल जैन, एम. नागराजा तथा अधिकारिमायुम शारदा देवी शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी सोमवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य बने हैं।

इनमें पांच सदस्यों ने हिन्दी, एक सदस्य ने कन्नड़, एक ने पंजाबी तथा एक ने मणिपुरी भाषा में शपथ लिया। इनमें से दो गुजरात का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर और राजस्थान से एक-एक सदस्य हैं।इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश एवं प्रफुल्ल पटेल, राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी तथा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में शामिल हुई ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह

महात्मा गांधी के नाम शुरू हो नई योजना : दीपिका पांडेय सिंह

फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर वाला आवास बनाने का दिया सुझाव

न्यूनतम मजदूरी दर भी बढ़ा कर 433 रुपए करने की रखी मांग

मनरेगा के बकाया राशि भुगतान का मुद्दा भी मजबूती से उठा

नई दिल्ली ।झारखंड की ग्रामीण विकास , ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने राष्ट्रीय मंच पर महात्मा गांधी के नाम योजना संचालित करने की मांग रखी है ।उन्होंने कहा कि वी बी ग्राम जी योजना से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है । केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय को महात्मा गांधी के नाम से नई जनहित की योजना आरंभ करनी चाहिए ।

दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन के दूसरे दिन झारखंड राज्य की ओर से प्रस्तुत प्रेजेंटेशन में मंत्री ने 125 दिन काम का प्रयाप्त बजट , स्ट्रांग फेब्रिकेटेड स्ट्रक्चर वाले आवास निर्माण से लेकर मनरेगा के बकाया भुगतान सहित अन्य मुद्दों को मजबूती से रखा । केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड के सुझाव पर सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिलाया है ।

मनरेगा के तहत 125 दिन काम के लिए क्या प्रयाप्त है वर्तमान बजट दिल्ली में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में वी बी ग्राम जी योजना का मुद्दा छाया रहा । ₹ विकसित ग्रामीण भारत ₹ निर्माण की सोच को लेकर देश भर से जुटे ग्रामीण विकास मंत्रियों ने अपने - अपने सुझाव दिए । झारखंड की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने योजना में बड़े बदलाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि अब केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60 - 40 की हिस्सेदारी ने परेशानी बढ़ा दी है ।इस निर्णय से झारखंड जैसे राज्य पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा । मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य के मनरेगा मजदूरों को 100 दिन की बजाय 125 दिन काम देने के निर्णय को लेकर विभाग की क्या तैयारी है ? क्या इसके लिए विभाग के पास पर्याप्त बजट उपलब्ध है ? उन्होंने कहा कि समय के साथ केंद्र सरकार साल दर साल मनरेगा के बजट में कटौती कर रही है । फिर सरकार मजदूरों को 100 दिन के बजाय 125 दिन का रोजगार देने का कैसे दावा कर रही है ।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि बढ़ा कर 2 लाख रुपए करने की मांग रखी है ।

दिल्ली में बोले मंत्री इरफान, झारखंड को रांची में चाहिए एम्स

रांची,(एजेंसी) : प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 16वीं केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद की बैठक में झारखंड के राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उन्होंने दो टूक कहा कि झारखंडवासियों की हित को देखते हुए हर हाल में केन्द्र सरकार राजधानी रांची में एम्स स्थाापित करें।

इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड में देवघर एम्स के अलावा राजधानी क्षेत्र में भी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य संस्थान की आवश्यकता है। रांची में एम्स खुलने से राज्य के मरीजों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने रिम्स-2 परियोजना के लिए केंद्र से दो हजार करोड़ रुपये की सहायता की मांग की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कार्य कर रही है और इसके पूरा होने से झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने चतरा, गढ़वा, गुमला, गोड्डा, पाकुड़,रामगढ़,सिमडेगा और साहिबगंज सहित कई जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने तथा मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग भी रखी।

बैठक में आशा कार्यकताओं के मानदेय,ममता वाहन,कैंसर उपचार, आईसीयू, सीसीयू एवं एचडीयू की स्थापना तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के मुद्दे भी उठाए गए। मंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

पुणे में 3 साल की बच्ची से दरिंदगी और हत्या: 65 साल के दोषी को फांसी की सजा

कासगंज (एजेंसी) : महाराष्ट्र के पुणे जिले के नसरापुर गांव में 3 साल की मासूम बच्ची के साथ बलात्कार और उसकी बेरहमी से हत्या करने के मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने इस जघन्य कृत्य को रेयरेस्ट ऑफ रेयर (दुर्लभ से दुर्लभतम) की श्रेणी में मानते हुए 65 वर्षीय दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा (मृत्युदंड) सुनाई है। कोर्ट ने संवेदनशीलता दिखाते हुए वारदात के महज 60 दिनों के भीतर इस केस का निपटारा कर न्याय की मिसाल पेश की है।मामला गर्मियों की छुट्टियों का है, जब 3 साल की मासूम अपनी नानी के घर आई हुई थी। पेशे से मजदूर, 65 वर्षीय दोषी भीमराव कांबले ने बच्ची को अकेला पाकर उसे बछड़ा दिखाने के बहाने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। इसके बाद उसने मासूम के साथ दरिंदगी की और पकड़े जाने के डर से पत्थर से सिर कुचलकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची के शरीर पर गंभीर चोटों के 18 निशान पाए गए थे, जो अपराध की बर्बरता को बयां करते हैं।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने दोषी की ढलती उम्र (65 वर्ष) का हवाला देते हुए सजा में नरमी बरतने की अपील की थी। विशेष कोर्ट के जज एस.आर. सालुंखे ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा:इस उम्र में भी आरोपी के भीतर की वासना और क्रूरता बेहद खतरनाक स्तर पर थी। इसलिए उसकी उम्र सजा कम करने का कोई आधार नहीं बन सकती, बल्कि यह सजा को और बढ़ाने का कारण है। यह ठंडे दिमाग से किया गया एक ऐसा अमानवीय कृत्य है जिसने समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है।

इस मामले को मुकाम तक पहुंचाने के लिए पुलिस और अभियोजन पक्ष ने बेहद पुख्ता तैयारी की थी। कोर्ट में कुल 55 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज, डीएनए रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्य, मेडिकल टेस्ट और दोषी के मेंटल फिटनेस असेसमेंट जैसे मजबूत वैज्ञानिक सबूत अदालत के सामने पेश किए गए, जिनके आगे बचाव पक्ष की कोई दलील नहीं टिक सकी।कोर्ट ने 25 जून को भीमराव कांबले को दोषी करार दिया था और 29 जून को सजा का ऐलान किया। अदालत ने अपने फैसले में साफ कहा कि दोषी के चेहरे पर अपने किए का कोई पछतावा नहीं है और न ही उसमें सुधार की कोई गुंजाइश दिखती है, इसलिए ऐसे अपराधी का समाज में रहने का कोई हक नहीं है और उसे सिर्फ और सिर्फ मौत की सजा ही दी जानी चाहिए।

सांसद ढुलू महतो सबसे बड़ा माफिया, नाली निर्माण के लिए भी फंड नहीं ला सकते: अरूप चटर्जी

धनबाद।धनबाद सांसद ढुलू महतो और निरसा विधायक अरूप चटर्जी के एक दूसरे पर बयानबाजी से धनबाद की राजनीतिक फिजा गरमा गई है। सोमवार को अरूप चटर्जी ने सांसद ढुलू महतो को धनबाद का सबसे बड़ा माफिया करार दिया। सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस में विधायक ने सांसद पर कई गंभीर आरोप लगाये। सांसद को निर्दलीय चुनाव लड़कर जीतने की चुनौती दे डाली। विधायक अरूप चटर्जी सांसद ढुलू महतो को हालिया बयान पर नाराजगी जता रहे थे। सांसद ने अरूप चटर्जी के स्वर्गीय पिता व निरसा के विधायक के विधायक रहे गुरुदास चटर्जी तल्ख टिपण्णी की थी और अरूप को अनुकंपा वाला विधायक बताया था।प्रेस कांफ्रेंस में नाराज दिख रहे विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि सांसद हर काम का श्रेय लेना चाहते हैं। अपने बलबूते तो एक नाली निर्माण का फंड भी नहीं ला पाये। गोविंदपुर व निरसा एलिवेटेड फ्लाई ओवर निर्माण का श्रेय लेने पर भी विधायक ने चुटकी ली। विधायक ने बताया कि ढुलू महतो के सांसद बनने के पहले ही एलिवेटेड फ्लाई ओवर निर्माण की योजना को मंजूरी मिल गई थी। गया पुल चौड़ीकरण निर्माण मामले में भी विधायक अरूप ने सांसद ढुलू महतो को अनावश्यक रूप से श्रेय लेने वाला बताया। अरूप चटर्जी ने दावा किया कि पुल चौड़ीकरण धनबाद विधायक राज सिन्हा की देन है। विधायक ने कहा कि सांसद खुद को हरिश्चंद्र बताते हैं और दूसरों को माफिया कहते हैं, जबकि उनके कई मामलों की जांच होनी चाहिए। विधायक ने आरोप लगाया कि धनबाद में कोयले के अवैध कारोबार में सांसद की बड़ी भूमिका है और उनके बेटे भी इसी कारोबार में लगे हुए हैं।अरूप चटर्जी ने कहा कि सांसद हार्डकोक उद्योग को बर्बाद करने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खुद कई हार्डकोक भट्ठों का संचालन कर चोरी के कोयले को खपाया जा रहा है। विधायक ने कहा कि धनबाद में सांसद से बड़ा माफिया कोई नहीं है।बउन्होंने सांसद के सीबीआई और ईडी जांच वाले बयानों पर भी हमला बोला और कहा कि अगर सांसद खुद को बेदाग मानते हैं तो जांच से क्यों डरते हैं। विधायक ने कहा कि अगर सांसद सच में गरीबों के मसीहा हैं तो उनके नाम पर कब्जे वाली जमीन गरीबों को दान कर देनी चाहिए।फ्लाईओवर निर्माण में कमीशन के आरोपों पर अरूप चटर्जी ने कहा कि उनका विरोध सिर्फ इस बात को लेकर है कि टेंडर लेने वाली कंपनी काम को कोयला माफियाओं के हाथों न सौंपे। उन्होंने गोपालीगंज क्षेत्र की जमीन और वसूली को लेकर भी सांसद पर आरोप लगाए।उन्होंने कहा कि निरसा में कोई धमका कर काम नहीं कर सकता। विधायक ने सांसद पर रंगदारी और अवैध कोयला कारोबार के आरोप लगाते हुए कहा कि जो व्यक्ति खुद आरोपों से घिरा है, वह दूसरों को बदनाम करने में लगा है।अरूप चटर्जी ने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को ऐसे व्यक्ति को टिकट देने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2029 में भाजपा ऐसे व्यक्ति को टिकट नहीं देगी।

संक्षिप्त खबरें

स्वस्थ जीवनशैली ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव : डॉ. करूणा प्रसाद

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : दी पेंटिकोस्टल असेंबली स्कूल सेक्टर-12 (टीपीएएस) में सोमवार को विद्यार्थियों में संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली और व्यावहारिक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा पहली से पांचवीं तक के बच्चों ने स्प्राउट एंड क्रंच डे के तहत ताजे फल व अंकुरित अनाज से पौष्टिक व्यंजन तैयार कर स्वस्थ भोजन के महत्व को रोचक तरीके से सीखा। वहीं कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने कौशल बोध परियोजना के अंतर्गत स्प्राउट चाट चैलेंज में भाग लेते हुए समूहों में पौष्टिक चाट तैयार की।इस दौरान बच्चों ने स्वच्छता, टीमवर्क, सृजनात्मकता, भोजन प्रस्तुतीकरण और व्यावहारिक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गयी रेसिपी पुस्तिकाओं ने उनकी शोध व संप्रेषण क्षमता को भी दशार्या। प्रधानाचार्या डॉ. करूणा प्रसाद ने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में स्वस्थ जीवनशैली के साथ जीवनोपयोगी कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट में कल एक दिन का ब्लॉक क्लोजर, एक जुलाई को रहेगा अवकाश

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट में मंगलवार यानी 30 जून को एक दिन का ब्लॉक क्लोजर लिया गया है।हालांकि इस दौरान व्हीकल फैक्ट्री और व्हीकल प्रिपरेशन एंड डिस्पैच विभाग में कामकाज सामान्य दिनों की तरह चालू रहेगा। सर्कुलर के मुताबिक जिन विभागों में 30 जून को ब्लॉक क्लोजर रहेगा।वहां के कर्मचारी गुरुवार यानी 2 जुलाई को अपनी ड्यूटी पर लौटेंगे।इसके ठीक विपरीत जिन कर्मचारियों की 30 जून को ड्यूटी रहेगी (जैसे व्हीकल फैक्ट्री और व्हीकल प्रिपरेशन एंड डिस्पैच विभाग), उनके लिए 2 जुलाई को ब्लॉक क्लोजर प्रभावी रहेगा। इसके अलावा बीते 28 जून (रविवार) को किये गये कार्य के बदले पूरे प्लांट में बुधवार, 1 जुलाई को प्रतिपूरक अवकाश घोषित किया गया है यानी इस दिन पूरा प्लांट बंद रहेगा।

क्लोजर के बदले आधा दिन का लीव कटेगा और आधे दिन की पूरी सैलरी मिलेगी। जिन्हें क्लोजर के दौरान भी काम पर बुलाया जायेगा।उनके लिए अलग से नोटिस जारी होगा और उनके लिए वह सामान्य कार्य दिवस माना जायेगा।यदि बुलाए जाने पर भी कोई कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं आता है, तो उसे पूरे दिन की छुट्टी लेनी होगी।

चक्रधरपुर रेल मंडल : नक्सल प्रभावित इलाकों में रेलवे संपत्ति, ट्रेन व यात्री सुरक्षा को लेकर चलाया जा रहा है ऑपरेशन ट्रैकहॉक

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : एडवांस ड्रोन टेक्नोलॉजी के जरिये रेलवे की संपत्ति, यात्रियों की आवाजाही व आधारभूत संरचना की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चक्रधरपुर रेल मंडल में ऑपरेशन ट्रैक हॉक चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत आरपीएफ द्वारा रेल मंडल के चक्रधरपुर से मनोहरपुर के बीच नक्सल व प्रभावित रेलखंडों में ड्रोन से हवाई निगरानी व जमीनी गश्ती की गई। इलाके पर नियंत्रण के लिये एरिया डोमिनेशन का अभ्यास किया गया। रेलवे की ओर से बताया कि नक्सल संगठन द्वारा मनाये जाने वाले दमन विरोधी सप्ताह को देखते हुए रेलवे में सुरक्षा बढ़ायी गई है। जिसको लेकर रेलवे सतर्क हैं। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में बिना किसी अड़चन के सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिये पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

7वीं झारखंड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में चित्रा साह बनीं राज्य चैंपियन

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : सातवीं वीं झारखंड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में पश्चिमी सिंहभूम की प्रतिभागी चित्रा साह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीनियर (35-45 वर्ष आयु वर्ग) में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है।चित्रा साह का चयन 18 जून को मधुसूदन पब्लिक स्कूल, चक्रधरपुर में आयोजित जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया था।इसके बाद 26 से 28 जून तक नेतरहाट आवासीय विद्यालय में आयोजित 7वीं झारखंड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की। इस उपलब्धि पर वेस्ट सिंहभूम जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव दीपक पासवान ने खुशी जताते हुए कहा कि चित्रा साह की सफलता जिले के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इससे योगासन खेल के प्रति युवाओं का उत्साह और बढ़ेगा. संघ के संरक्षक विनोद भगोरिया, अध्यक्ष विकास रवि, सचिव दीपक पासवान, राहुल साहू, देवी लाल महतो एवं उत्तम कुमार साहू ने चित्रा साह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जगत माझी ने भी चित्रा साह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की ऐसी उपलब्धियां क्षेत्र के युवाओं को खेल एवं योगासन के प्रति प्रेरित करती हैं तथा जिले का गौरव बढ़ाती हैं।

सेवानिवृत्त कर्मियों को वर्तमान क्वार्टर ही लाइसेंसिंग स्कीम के तहत क्वार्टर आवंटित करें : रामाश्रय

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के डी टाइप व सीडी टाइप क्वार्टरों में रह रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने सोमवार को बोकारो इस्पात कामगार यूनियन (एटक) के बैनर तले एडीएम बिल्डिंग परिसर में प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मियों ने लाइसेंसिंग स्कीम को जल्द लागू कर संबंधित क्वार्टरों का आवंटन करने की मांग उठाई। यूनियन के महामंत्री रामाश्रय प्रसाद सिंह ने कहा कि वर्ष 2025 से लगातार मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं), अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) तथा डायरेक्टर इंचार्ज के समक्ष इस मुद्दे को उठाया जा रहा है।एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद लाइसेंसिंग स्कीम का प्रारुप जारी नहीं होने से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की परेशानी लगातार बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि कंपनी की संपत्ति सुरक्षित रखने और राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से डी टाइप व सीडी टाइप क्वार्टरों में रह रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अविलंब

लाइसेंसिंग स्कीम के तहत क्वार्टर आवंटित किया जाए। साथ ही सेवानिवृत्ति के समय ही कर्मचारियों को यह विकल्प दिया जाए कि वे जिस क्वार्टर में रह रहे हैं, उसे लाइसेंसिंग स्कीम अथवा रिटेंशन के तहत प्राप्त कर सकें। यूनियन ने मांग की कि दिसंबर 2026 तक सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों को भी उनके वर्तमान क्वार्टर लाइसेंसिंग स्कीम के तहत आवंटित किये जाएं।वर्ष 2025 में शुरू की गयी ईएफ टाइप क्वार्टर लाइसेंस योजना को शीघ्र पूरा करने तथा इच्छुक कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों को अतिरिक्त क्वार्टर भी लाइसेंस पर उपलब्ध कराने की मांग की गयी।रामाश्रय प्रसाद सिंह ने कहा कि एस-9 से एस-11 ग्रेड के वरिष्ठ कर्मचारियों को सी टाइप क्वार्टर का हकदार बनाते हुए आवंटन किया जाए, ताकि अधिक से अधिक क्वार्टर आबाद रहें और कंपनी को राजस्व मिलता रहे।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लाइसेंस क्वार्टरों की बाहरी व छत की मरम्मत का प्रावधान होने के बावजूद कार्य नहीं कराया जा रहा है।इसे तत्काल सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा लाचार और बीमार सेवानिवृत्त कर्मचारी आर-पार की लड़ाई लड़ने को विवश होंगे. सभा की अध्यक्षता आर आर दास ने की।मौके पर वीके राम, एम लाल, एस एम सुधांशु, शोभा देवी, आनंद मिश्रा, मनोहर तिर्की, देवेंद्र प्रसाद, आरके शर्मा, रामजी सिंह, केपी सिंह, संजीव राजन, अशोक समेत काफी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित थे।

चक्रधरपुर रेल मंडल में नयी ट्रांसफर्र नीति को लेकर मेंस कांग्रेस के रनिंग ब्रांच की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नयी ट्रांसफर्र नीति लागू करने से असंतोष दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस के जिरुली व डांगुवापोसी के सैकड़ों रनिंग स्टाफ ने पुरानी जेपीओ के आधार पर रनिंग स्टाफ का स्थानांतरण व पोस्टिंग की व्यवस्था पुनः लागू करने के लिये मेंस कांग्रेस से गुहार लगायी है।जिरुली स्टेशन में हुई मेंस कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक में मेंस कांग्रेस के दपू रेलवे महासचिव एसआर मिश्रा के समक्ष नई ट्रांसफर्र नीति असंतोष रनिंग स्टाफ ने अपनी समस्या रखी और समाधान करने की मांग की है।श्री मिश्रा ने कहा कि चक्रधरपुर रेल मंडल की नई ट्रांसफर्र नीति से रनिंग स्टाफ में हित में नहीं है, रेल प्रशासन को पुरानी ट्रांसफर्र नीति को पुनः लागू करने पर विचार करने की जरुरत है। बैठक में जिरुली व डांगुवापोसी रनिंग ब्रांच सदस्य उपस्थित थे।रनिंग स्टाफ ने कहा कि नयी व्यवस्था के तहत ब्रांच लाइन में कार्यरत कर्मचारियों को वर्षों तक प्रतीक्षा करने के बावजूद अपनी इच्छित लॉबी में स्थानांतरण का अवसर नहीं मिल सकेगा।नयी नीति के अनुसार ब्रांच लाइन में दो वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद कर्मचारी केवल चक्रधरपुर, सीनी, मनोहरपुर व झारसुगुड़ा लॉबी में स्थानांतरण के लिए पात्र होंगे।जिसके बाद इन लॉबियों में स्थानांतरण कब होगा, इसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है।इन लॉबियों में स्थानांतरण के बाद भी कर्मचारियों को तीन वर्ष के लॉकिंग पीरियड का सामना करना होगा। जिसके बाद ही वे अपनी इच्छित लॉबी में जाने के पात्र बनेंगे। जिसकी कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है।

डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक,सीएसआर फंड से जिले में होगा विकास, बिना जिला समिति की मंजूरी के काम नहीं कर सकेंगी कंपनियां

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि जमशेदपुर और पूरे जिले में काम करने वाली कंपनियां कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत अपनी मर्जी से कोई भी नया प्रोजेक्ट शुरू नहीं कर सकेंगी।डीसी कार्यालय में सोमवार को डीसी राजीव रंजन की अध्यक्षता में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) की बैठक हुई।बैठक में डीसी राजीव रंजन और उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान ने स्पष्ट कहा कि कंपनियों को अपनी हर योजना के लिए पहले जिला स्तरीय समिति से मंजूरी (अनुमोदन) लेना अनिवार्य होगा। डीसी ने सभी कंपनी प्रतिनिधियों को पिछले साल के खर्च और इस साल की कार्ययोजना की रिपोर्ट एक हफ्ते में सौंपने का कड़ा निर्देश दिया है।डीसी राजीव रंजन ने कहा कि बैठक का मुख्य मकसद कंपनियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। ताकि एक ही जगह पर बार-बार एक जैसा काम न हो (काम का दोहराव रुके) और सरकारी संसाधनों का सही इस्तेमाल सीधे जनता के हित में किया जा सके। समीक्षा के दौरान डीडीसी नागेंद्र पासवान ने कहा कि अब तक केवल यूसीआईएल, एचसीएल और बैंक ऑफ इंडिया ने ही जिला प्रशासन को अपने सीएसआर फंड की जानकारी दी है या परियोजनाओं के लिए मंजूरी ली है।जिला प्रशासन की ओर से जिले की मुख्य जरूरतों की एक लिस्ट कंपनियों के सामने रखी गयी। बैठक में मौजूद सभी औद्योगिक प्रतिनिधियों ने इस पर पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

कराईकेला जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया देवस्नान पूर्णिमा महोत्सव, 251 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : कराईकेला स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में सोमवार को देवस्नान पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ।इस अवसर पर मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। पूजा-अर्चना के बाद 251 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया।कलश यात्रा मंदिर परिसर से गाजे-बाजे, शंखध्वनि और भजन-कीर्तन के साथ प्रारंभ होकर प्रसिद्ध आहारबांध तालाब पहुंची।वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर कलश में पवित्र जल भरा गया।इसके बाद श्रद्धालु महिलाएं भक्ति गीतों का गायन करते हुए पुनः मंदिर पहुंचीं। सायंकाल पंडित जगदीश चंद्र ठाकुर एवं भरत भूषण मिश्रा ने वैदिक विधि-विधान से भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा का पवित्र जल से महाअभिषेक (देवस्नान) कराया।स्नान के उपरांत तीनों विग्रहों को सिंहासन पर विराजमान कर विशेष पूजा-अर्चना की गई।पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच खीर-

खिचड़ी तथा श्रीसत्यनारायण महाप्रसाद का वितरण किया गया।धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को खीर-खिचड़ी एवं खट्टा का भोग अर्पित किया गया।मान्यता है कि देवस्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं, जिसके चलते उन्हें उपचार एवं विश्राम के लिए गृह में विराजमान कराया जाता है।मंदिर के पुजारियों ने बताया कि मंगलवार से आगामी 15 दिनों तक मंदिर का पट बंद रहेगा, इस दौरान श्रद्धालु महाप्रभु के प्रत्यक्ष दर्शन नहीं कर सकेंगे। 15 जुलाई को नवयौवन दर्शन एवं नेत्र उत्सव के बाद भगवान श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। इसके उपरांत 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।इस अवसर पर श्री श्री जगन्नाथ पूजा कमिटी 64 मौजा कराईकेला के संरक्षक प्रशांत साहू ने कहा देव स्नान पूर्णिमा प्रभु जगन्नाथ की भक्ति और शुद्धिकरण का महापर्व है।आज के दिन प्रभु के दर्शन मात्र से भक्तों के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। 64 मौजा कराईकेला के समस्त श्रद्धालुओं के लिए यह अत्यंत सौभाग्य का दिन है कि हम सामूहिक रूप से प्रभु के इस भव्य अभिषेक और अनुष्ठान के साक्षी बन रहे हैं।प्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद हम सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और एकता का संचार करे। मेरी कामना है कि प्रभु की कृपा से हमारे क्षेत्र की कृषि, शिक्षा और सामाजिक सद्भावना निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।उन्होंने कमिटी के सभी सदस्यों और स्थानीय निवासियों से आह्वान किया कि वे पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ इस उत्सव को मनाएं और प्रभु के बताए सेवा और प्रेम के मार्ग पर चलने का संकल्प लें।कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर के संरक्षक प्रशांत साहू, तुलसी महतो, विवेक मिश्रा, रूपेश त्रिपाठी, राजेंद्र मेलगांडी, ललित नारायण ठाकुर, गिरधारी मंडल, नितेश मंडल, बाबनाथ सारंगी, दुलाल सेन सहित मंदिर समिति के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कस्तूरबा स्कूल खरौंधी प्रकरण: पांचों दोषी कर्मियों की सेवा समाप्ति का पत्र निर्गत,बीईईओ व बीपीओ का वेतन बंद

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, खरौंधी में बीते 26 जून की रात अचानक 77 छात्राओं के अस्वस्थ होने के मामले में जिला प्रशासन ने बेहद कड़ा और निर्णायक कदम उठाया है।घटना के बाद उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा के निर्देश पर हुई त्वरित जांच के बाद आज सोमवार को पांचों दोषी संविदाकर्मियों की सेवा समाप्ति का आधिकारिक पत्र निर्गत कर दिया गया है। उपायुक्त ने छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाते हुए यह बड़ी दंडात्मक कार्रवाई की है, जिससे पूरे शिक्षा महकमे में हड़कंप मच गया है।जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, जिन पांच संविदाकर्मियों को तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त करते हुए कार्यमुक्त किया गया है, उनमें वार्डन-सह-शिक्षिका लक्ष्मी देवी, पूर्णकालिक सामाजिक विज्ञान शिक्षिका अलका तिवारी, पूर्णकालिक विज्ञान शिक्षिका कोमल कुमारी, लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर सोनम रानी और पूर्णकालिक रसोइया कमला देवी शामिल हैं।इसके अलावा कर्तव्यहीनता के दायरे में आए प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी खरौंधी एवं प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी खरौंधी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा जवाब आने तक उनके वेतन भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।अनुमण्डल पदाधिकारी (श्री

बंशीधर नगर) एवं जिला शिक्षा अधीक्षक की संयुक्त जांच रिपोर्ट में विद्यालय की व्यवस्था को लेकर बेहद चौंकाने वाले और शर्मनाक तथ्य सामने आए हैं।रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ है कि घटना के वक्त विद्यालय की वार्डन लक्ष्मी देवी बिना किसी सक्षम प्राधिकार से अवकाश स्वीकृत कराए मनमाने तरीके से स्कूल से गायब थीं। वहीं, हद दर्जे की संवेदनहीनता दिखाते हुए विद्यालय की रसोइया कमला देवी ने परिसर के चापानल (हैंडपंप) में ताला जड़ रखा था। पानी जैसी मूलभूत सुविधा पर ताला बंद होने और जिम्मेदारों की मौके से गैरमौजूदगी के कारण ही यह पूरी प्रशासनिक अव्यवस्था फैली और इतनी बड़ी संख्या में छात्राएं बीमार हुईं।घटना की अगली सुबह जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित कर्मियों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया था।इस तय समयावधि में केवल लेखापाल सोनम रानी का जवाब प्राप्त हुआ, जो बेहद असंतोषजनक था, जबकि बाकी शिक्षिकाओं और कर्मियों ने तय समय में कोई जवाब ही प्रस्तुत नहीं किया।इसे अनुशासनहीनता और लापरवाही की पराकाष्ठा मानते हुए उपायुक्त ने आज उनकी संविदा समाप्त करने का अंतिम आदेश जारी कर दिया।इधर प्रशासनिक स्तर पर राहत की बात यह है कि भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में त्वरित उपचार के बाद सभी 77 छात्राएं अब पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को कड़े निर्देश दिए हैं कि इस कार्रवाई की वजह से विद्यालय की छात्राओं की पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों पर कोई आंच नहीं आनी चाहिए। वहां तुरंत वैकल्पिक शिक्षकों और रसोइया की व्यवस्था कर शैक्षणिक कार्य को सुचारु रूप से संचालित कराया जा रहा है। उपायुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिले के किसी भी शैक्षणिक संस्थान में बच्चों की सुरक्षा और अनुशासन के मानकों से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों या कर्मियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मेकॉन लिमिटेड को मिला मिनीरत्न श्रेणी-कका प्रतिष्ठित दर्जा

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख उपक्रम मेकॉन लिमिटेड को भारत सरकार ने प्रतिष्ठित मिनीरत्न श्रेणी-क का दर्जा प्रदान किया है।यह सम्मान कंपनी की निरंतर लाभ, मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और इस्पात, बिजली, आधारभूत संरचना, खनन, तेल एवं गैस समेत विभिन्न रणनीतिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान की मान्यता के रूप में दिया गया है।मिनीरत्न श्रेणी-कका दर्जा मिलने से मेकॉन को संचालन और वित्तीय मामलों में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी।इससे कंपनी बड़े निवेश एवं परियोजनाओं में तेजी से निर्णय ले सकेगी, रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करेगी तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति का और विस्तार कर सकेगी।इस उपलब्धि पर मेकॉन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुमार वर्मा ने कहा कि यह पूरे मेकॉन परिवार के लिए गर्व का क्षण है।उन्होंने इसे कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और हितधारकों के निरंतर विश्वास का परिणाम बताते हुए कहा कि यह सम्मान कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और देश के औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास में और अधिक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

पुलिस की सक्रियता से गुम हुआ बच्चा 48 घंटे के भीतर बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के ननतिलो नावाटोली से पिछले 27 जुन को लापता हुए बच्चें को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सोमवार को कुडू व कैरो थाना क्षेत्र की सीमा से बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया।बच्चें के बरामदगी होने से परिजनों ने राहत की सांस ली।बताया जाता है कि ननतिलो नावाटोली निवासी सालोनी उरांव ने कुडू पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि मेरा 13 वर्षीय पुत्र राज अनुप उरांव 27 जुन की सुबह 10 बजें घर मे किसी को कुछ बताएं बगैर कही चला गया है।काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है।आवेदन मिलने के बाद थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बच्चे की खोजबीन शुरू किया।सोमवार को थाना प्रभारी अजीत कुमार को सूचना मिली कि इसी बच्चे की तरह दिखने वाला एक बच्चा तान पहाड़ी की तरफ देखा गया है।थाना प्रभारी ने खोजबीन के लिए दो अधिकारियों के साथ परिजनों को लेकर स्वयं निकल पड़े। सोमवार दोपहर लगभग दो बजे तान व हुदु गांव के बीच बच्चे को बरामद किया गया। बच्चें को लेकर पुलिस थाना पहुंची व कागजी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंप दिया।बच्चे की मां सालोनी उरांव ने बताया कि बच्चें के लापता होने के बाद दो दिनों से परिजन काफी परेशान थे।

ट्रुथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

आवासीय विद्यालयों में भोजन और पेयजल में लापरवाही मिली तो होगी कार्रवाई : उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : गढ़वा जिले के खरौंधी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में दूषित भोजन और पानी से छात्राओं के बीमार होने की घटना के बाद धनबाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है।राज्य सरकार के निर्देश पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने सोमवार को जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों व झारखंड बालिका आवासीय विद्यालयों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाने का निर्देश दिया।इसके तहत सोमवार को विभिन्न विद्यालयों में व्यापक जांच की गई।निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर, कक्ष-ाओं, रसोईघर, भंडार कक्ष तथा रसोइयों की व्यक्तिगत स्वच्छता की जांच की गई।अधिकारियों ने भोजन तैयार करने से लेकर छात्राओं को परोसने तक साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। स्टोर में रखे चावल, दाल, तेल, मसाले और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, पैकिंग और एक्सपायरी डेट की भी जांच की गई।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि घटिया या एक्सपायर खाद्य सामग्री मिलने पर संबंधित वेंडर और विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने सभी आवासीय विद्यालयों में चापाकल, जलमीनार और आरओ सिस्टम की तत्काल सफाई कराने, पेयजल स्त्रोतों की नियमित ब्लीचिंग कराने तथा पानी के नमूनों की प्रयोगशाला जांच कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि छात्राओं को हर हाल में सुरक्षित और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए।निरीक्षण के दौरान रसोईघर की साफ-सफाई, ड्रेनेज व्यवस्था और बर्तनों की स्वच्छता का भी जायजा लिया गया।रसोइयों को साफ कपड़े और हेडकैप पहनने, भोजन को ढककर रखने तथा निर्धारित मेन्यू के अनुसार ताजा, गर्म और पौष्टिक भोजन परोसने का निर्देश दिया गया। बासी भोजन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने को कहा गया।उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित औचक निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि भोजन या पेयजल की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार वेंडर, विद्यालय प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटेगा: के रवि कुमार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। राज्य मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई बीएलओ मतदाता के घर-घर जाएं तो मतदाताओं को विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से उनकी मैपिंग अवश्य सुनिश्चित करें। राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में विगत की विशेष गहन पुनरीक्षण वाले मतदाता सूची से मैपिंग की विवरणी को नागरिकता हेतु वांक्षित दस्तावेज के रूप में माना गया है। जिन मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो जाएगी उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में सामान्यतः कोई अन्य दस्तावेज नहीं देने होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सोमवार को धनबाद जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण हेतु चल रहे कार्य एवं कार्ययोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। धनबाद जिले के भ्रमण के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ धनबाद के भूली बस्ती स्थित मतदान केंद्र संख्या 38 उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं मतदान केंद्र संख्या 210 गुरुनानक मध्य विद्यालय में बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में किए जा रहे कार्य एवं कार्ययोजना की समीक्षा की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म की 2 प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जिसे मतदाता भरकर एक प्रति अपने बीएलओ को देंगें और दूसरी प्रति पावती के रूप में अपने पास रखेंगे। सभी मतदाता जो इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे उनका नाम मतदाता सूची के ड्राμट पब्लिकेशन में 5 अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा। के रवि कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं देने होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत के संविधान के आर्टिकल 326 का जिक्र करते हुए कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेंगे और एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे। वहीं मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 30 जून से मतदाता सूची के विशेष ग्रहण पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो के अलावा सभी विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ सहित जिले के निर्वाचन संबंधी पदाधिकारी उपस्थित थे।

विरोध के बीच चिरकुंडा सुंदर नगर पार्क का शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।चिरकुंडा नगर परिषद के सुंदर नगर में पार्क निर्माण का सोमवार को शिलान्यास किया गया। 1 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पार्क का शिलान्यास विधायक अरूप चटर्जी एवं चिरकुंडा नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी ने किया। शिलान्यास का स्थानीय लोगों ने विरोध भी किया और कहा कि पार्क बनने से यहां लोगों का जमावड़ा होगा।

असामाजिक तत्व भी यह बैठकी लगाएंगे। विधायक अरूप चटर्जी ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि आसपास के लोगों की जिंदगी में कोई खलल नहीं पड़ेगी। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम होंगे। इसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध खत्म कर दिया। उद्घाटनके बाद विधायक ने कहा कि पार्क बनने से बच्चों को खेलने के लिए सुरक्षित स्थान मिलेगा, बुजुर्गों को टहलने एवं व्यायाम करने की सुविधा मिलेगी तथा लोगों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण उपलब्ध होगा।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्क की उचित देखरेख एवं सुरक्षा की भी व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि नगर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। यह पार्क सुंदर नगर के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात साबित होगा और आने वाले समय में सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों का बेहतर केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित वार्ड सदस्यों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पार्क निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। हालांकि स्थानीय लोगों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर भी गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया गया। शिलान्यास समारोह में बड़ी संख्या में नगर परिषद के पदाधिकारी, स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चोरी-छिनतई करने वाले गिरोह के चार गया पूर्णिमा स्नान अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। चोरी- छिनतई और दूसरी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार किये गए है। बलियापुर पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से सोने के जेवरात, चोरी के मोबाइल,दो मोटरसाइकिल तथा अन्य सामान बरामद किए गए हैं। पूछताछ में सभी ने कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। चारों को जेल भेज दिया गया है। सोमवार को सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि बलियापुर थ पुलिस ने चोरी और छिनतई की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बड़ी संख्या में चोरी के मोबाइल फोन, सोने जैसे धातु के आभूषण, दो मोटरसाइकिल समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया

कि 28 जून की रात बेलगड़िया इलाके में गश्ती के दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि बेलगड़िया फेज-2 स्थित तीन तल्ला पानी टंकी के पीछे झाड़ियों में कुछ युवक चोरी के सामान का बंटवारा कर रहे हैं। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों को जानकारी देते हुए छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से सुमित कुमार निषाद, शहबाज अंसारी उर्फ छोटू अंसारी, रोहित कुमार रजक और रवि बाउरी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान इनके पास से 8 मोबाइल फोन, सोने जैसे पीले धातु के आभूषण, दो होंडा साइन मोटरसाइकिल समेत अन्य सामान बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार युवकों ने बताया कि वे अलग- अलग जगहों पर चैन, मोबाइल, लैपटॉप और पर्स की छिनतई जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने इनके निशानदेही पर एक्साइड बैटरी, माइक्रोटेक इन्वर्टर और मंगलसूत्र समेत अन्य सामान भी बरामद किया है। बलियापुर थाना में इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और पूर्व की घटनाओं की जानकारी जुटाने में लगी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व डीसी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

धनबाद। राज्य मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी आदित्य रंजन के साथ ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य वेयरहाउस की सुरक्षा, रखरखाव और वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लेना था। इस अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस-ाआइआर 2026) और ईवीएम प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से परखा। उन्होंने वेयरहाउस परिसर की सुरक्षा और चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी को लेकर अधिकारियों को अलर्ट रहने को कहा गया। सुरक्षा गार्डों की उपस्थिति, उनकी मुस्तैदी और गार्ड शिμटों के सही प्रबंधन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए वेयरहाउस में उपलब्ध फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमन यंत्रों) की जांच की और अग्निशमन की सभी सुविधाओं को हमेशा दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, निर्वाचन कार्यालय के कर्मी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कोयला उठाव के लिए हंगामा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पीबी एरिया के गोपालीचक में ई- ऑक्शन के कोयला उठाव को लेकर डीओ धारक समर्थकों ने जमकर हंगामा मचाया व ट्रांसपोर्टिंग ठप कर दी। गोपालीचक पासी धौड़ा के निकट डिपो से ई -ऑक्शन से कोयला उठाने के लिए एमएनएसआर के अलावे रागनी मर्चेन्टडाईज ने 1374 व मां तारा (वीर बर्बरीक) ने 2050 टन कोयला का डीओ लगाया था। एक महीने ने कोयला का उठाव करना था। रागनी मचेंटडाइज के प्रदीप गुप्ता ने कहा कि गोपालीचक फेज वन से कोल डिपो में कोयला देना था लेकिन जानबूझ कर जब भी रागनी व मां तारा के ट्रक लगते थे तो कोयला की आपूर्ति नही की जाती थी या खराब क्वालिटी का कोयला गिराया जाता था।जिसके चलते दोनों डीओ धारक केवल 25-25 टन ही कोयला उठा सके व 28 जून को उठाव की अवधि समाप्त हो गयी।जिसके विरोध में पिछले दो दिनों से डिपो में हंगामा होता रहा। रविवार को दस ट्रक की इंट्री हुई थी जो समय अवधि समाप्त होने के कारण दूसरे दिन भी खड़े रहे। हंगामा के कारण दूसरे दिन भी वाशरी को की जाने वाली ट्रांसपोर्टिंग व डीओ का उठाव नही हुआ। प्रबन्धन ने कार्य मे अवरोध उतपन्न करने वालो के खिलाफ पुटकी थाना में शिकायत की है। कोयला लोडिंग विवाद गहराने के बाद डीएसपी विधि व्यवस्था प्रकाश सोय पहुंचे लोडिंग प्वाइंट। गोपालीचक में कोयला उठाव को लेकर दोनों पक्षो में संघर्ष होता रहा है। दोनों पक्ष कोयला पर वर्चस्व को लेकर टकराते रहे है। आउटसोर्सिंग व कोल डिपो पर रघुकुल व उनके चहेते का कब्जा है । जबकि इनके खेल को बिगाड़ने के लिए सिंह मेंशन गोपालीचक में डीओ लगाते रहा है। सोमवार को डीएसपी प्रकाश सोय, जीएम जीसी साहा,पीओ एन राय, सिंह मेंशन के मुकेश पासवान,प्रदीप गुप्ता, रघुकुल के प्रमोद सिंह,जीतू पासवान,बीड़ी सिंह,रविन्द्र पासवान के बीच वार्ता हुई। बैठक में तय हुआ कि कोयला उठाव की अवधि बढ़ाने के लिए पीबी प्रबन्धन कोयला भवन को पत्र लिखेगा।

बिना नक्शा के बना गोल्डन वेडिंग पैलेस होगा जमींदोज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भूली आरा मोड़ बाईपास में बना गोल्डन वेडिंग पैलेस को जमींदोज किया जाएगा। नगर निगम ने यह आदेश जारी किया है। वेडिंग पैलेस का निर्माण नगर निगम से नक्शा पास कराए करा लेने का आरोप है। वेडिंग पैलेस के निर्माणकर्ता पर दस लाख का जुमार्ना भी लगाया गया है। वेडिंग पैलेस स्क्रैप कारोबारी गोल्डन खान का बताया गया है। गोल्डन भगोड़े अपराधी प्रिंस खान का करीबी बताया जाता है। निगम की यह कार्रवाई प्रिंस खान के आर्थिक नेटवर्क पर चोट के रूप में देखी जा रही है। निगम की ओर से हाल के दिनों किसी भवन को तोड़ने के आदेश देने का पहला मामला है। निगम ने वेडिंग पैलेस के मालिक निर्माण कार्य को हटा लेने का 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। इसके बाद निगम खुद से भवन को जमींदोज कर देगा। भवन को

जमींदोज करने ने आनेवाला खर्च भी संचालक से वसूलने की चेतावनी दी गई है। निगम से मिली जानकारी के अनुसार गोल्डन वेडिंग पैलेस का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में पाया गया था कि वेडिंग पैलेस में पार्किंग की कोई व्यवस्था ही नहीं है। निर्माण संबंधी अन्य जरूरी उपाय भी नहीं किये गए है। निगम ने संचालक के नाम नोटिस जारी कर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया था। नक्शा और अन्य जरूरी कागजात भी जमा करने को कहा गया था। निगम के अधिकारियों ने बताया कि संचालक की ओर से कोई वैध कागजात नहीं उपलब्ध कराया है। इसके बाद ही निगम ने दंडात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया है। नगर निगम के मुताबिक भवन स्वामी को कई बार अपना पक्ष रखने और जरूरी दस्तावेज जमा करने का मौका दिया गया, लेकिन वे निर्माण की वैध स्वीकृति से जुड़े कोई कागजात पेश नहीं कर सके। सुनवाई के दौरान भवन मालिक ने भी स्वीकार किया कि भवन का नक्शा पास नहीं कराया गया था। नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने बताया कि मामले की सूचना मिलने के बाद जांच कराई गई थी। जांच में नियमों का उल्लंघन पाया गया। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण से पहले सक्षम प्राधिकारी से नक्शा स्वीकृत कराना अनिवार्य है। अगर किसी को आदेश पर आपत्ति है तो वह न्यायालय या उच्च अधिकारियों के समक्ष जा सकता है। निगम ने करीब पांच महीने की सुनवाई के बाद भवन को ध्वस्त करने का आदेश जारी कर दिया है।

16 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बलियापुर पुलिस ने 16 किलो गांजा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गांजा बरामद गांजा की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई जा रही है। शुरूआती पूछताछ में दोनों से गांजे की खरीद-बिक्री और सप्लाई नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। सिटी एसपी के मुताबिक बलियापुर थाना के नेतृत्व में गश्ती एवं छापामारी के क्रम में गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति रखितपुर गुमटी के पास संदिग्ध अवस्था में देखे गए हैं। दो व्यक्ति अपने-अपने बैंग के साथ पैदल कुसमाटांड़ की ओर जा रहे थे। पूछताछ एवं बैग की तलाशी लेने पर गांजा बरामद किया गया। दोनों

बैग में 8-8 पैकेट में 16 किलोग्राग गांजा बरागद हुआ. जिसका बाजार मूल्य 4 से 5 लाख रु है। गिरफ्तार तस्करो में विकास कुमार,नोएडा और दूसरा आरोपी श्यामा कांत सिंह, सिंदरी का निवासी है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन इलाकों में सप्लाई किया जाना था। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

विधायक मथुरा महतो पहुंचे कांटा पहाड़ी, भू - धसान प्रभावितों से मिले

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीसीसीएल कतरास क्षेत्र के अंगारपथरा कांटा पहाड़ी भू-धंसान स्थल का जायजा लेने सोमवार को विधायक सह सत्ता पक्ष के सचेतक मथुरा प्रसाद महतो पहुंचे। उन्होंने भू-धंसान स्थल व आस पास में रहने वाले लोगों के घरों को देखा। मोहल्ले के लोगों ने प्रबंधन के द्वारा लापरवाही बरतने की शिकायत की। विधायक ने ग्रामीणों की बातें सुनी तथा शीघ्र भराई कराने की दिशा में पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कतरास क्षेत्र के जीएम बीके झा सहित बीसीसीएल मुख्यालय के पदाधिकारियों से दूरभाष पर घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों से दो दिनों के अंदर भूधंसान प्रभावित इलाके की भराई कराने को कहा। भू-धंसान का दायरा बढ़ता जा रहा है। बारिश का मौसम आ गया है। अगर ठोस पहल नहीं की गई तो धीरे धीरे भूधंसान का सिलसिला बढ़ते जाएगा। कतरास क्षेत्र के सुरक्षा पदाधिकारी संजय चौधरी मौके पर पहुंचे। विधायक ने भू-धंसान इलाके का निरीक्षण करने के बाद कहा कि दो दिनों के अंदर भराई कराइए। तीसरे दिन मैं स्वयं देखने आऊंगा। अगर भराई नहीं हुआ मिला तो फिर मैं स्वयं कार्रवाई के लिए आगे बढूंगा। विधायक की बात सुनने के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी संजय चौधरी ने कहा कि कल सुबह से मशीन लगाकर भराई शुरू करा दी जाएगी।

ब्लॉक- दो एबीओसीपी कार्यालय में मारपीट का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। बीसीसीएल ब्लॉक दो एबीओसीपी कार्यालय में मारपीट के आरोपी सहायक प्रबंधक अमित राज पर मामला दर्ज किया गया है। उनपर कार्यालय सहायक प्रबंधक (मा सं) एवं सिक्योरिटी नोडल पदाधिकारी विकास कुमार के साथ मारपीट का आरोप लगा है। कार्यालय में घुसकर गाली गलौज करने का भी आरोप है। बीच - बचाव को आए सहयोगी क्लर्क अंबुज कुमार पांडेय के साथ भी अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगा है। घटना के बाद परियोजना कार्यालय में अफरा तफरी मच गई। कुछ देर के लिए ऑफिसियल कार्य बाधित हो गया। सूचना पाकर पीओ पीएसके सिन्हा पहुंचे और स्थिति को संभाला। घटना को लेकर विकास कुमार ने अमित राज के खिलाफ बाघमारा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत में कहा है कि बोकारो जिले के सेक्टर फोर निवासी अमित राज (सहायक प्रबंधक खनन) परियोजना कार्यालय लाल बंगला सुबह साढ़े नौ बजे आये। उस वक्त विकास कुमार बायोमेट्रिक एटेंडेंस के सहायक के केबिन में संबंधित सहायक से रिपोर्ट ले रहे थे। अमित राज वहां आए और जबरन अपनी उपस्थि दर्ज कराने का दबाव बनाया। एसएपी के मास्टर डाटा प्रविष्ट करने को कहा। उन्हें बताया गया कि हाज़िरी से संबंधित शिकायत परियोजना पदाधिकारी के पास रखे। इस बात पर आग बबुला होकर बदतमीजी करने लगे। गाली गलौज के साथ मारपीट की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कांड संख्या 91/26 अंकित कर जांच शुरू कर दी है।

लॉज में चल रहा था देह व्यापार, स्थानीय लोगों से धक्का मुक्की कर भागे युवक युवती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : निरसा थाना क्षेत्र के पुराना थाना के पास इकबाल अहमद के पीजी लॉज से देह व्यापार का मामला उजागर हुआ है।हालांकि पुलिस के आने के पहले ही स्थानीय लोगों के साथ मारपीट करते हुए दो जोड़ा युवक युवती मौके पर से फरार हो गया।सूचना पाकर एसडीपीओ लीलेश्वर महतो, थाना प्रभारी अजीत कुमार भारती, अजय सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं जवान पहुंचे।पड़ोसी ओम अग्रवाल के सूचना पर यह कार्रवाई हुई है। ओम अग्रवाल के घर में लगी हुई सीसीटीवी कैमरे से मामले पर पर्दा फाश करने का प्रयास पुलिस कर रही है।पीजी लॉज से पुलिस को कई आपत्तिजनक सामान, लड़कियों की सजने सवरने का उपकरण भी पुलिस को मिला है। इसके पहले वहां एक होटल चला करता था। होटल बंद होने के बाद ही करीब एक वर्ष से इस तरह का धंधा वहां संचालित है।पुलिस अधिकारियों ने पीजी लॉज के पीछे लॉज मालिक के घर पर भी दबिश दिया।लेकिन मकान मालिक घर से फरार हो गया था। पुलिस तत्काल पीजी लॉज के अंदर रूम एवं लॉज के मुख्य दरवाजा में ताला लगा कर चाभी ले कर चली गई है। घटना के दौरान काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुट गई थी।इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि बीते दो दिन पहले भी ओम अग्रवाल ने लॉज संचालक इकबाल अहमद को अल्टीमेटम दिया था कि आसपास यहां सभ्य समाज के लोग रहते हैं। इसलिए इस तरह का गलत काम इस लॉज में नहीं करवाया जाए।इधर ओम अग्रवाल के घर में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है।उसके घर के बाहर पत्ता ग्लास का होलसेल का दुकान की संचालित है।पहले एक जोड़ा लड़का लड़की लॉज में पहुंचा।इधर ओम अग्रवाल को सीसीटीवी देखने के बाद घटना की जानकारी मिली।

उसने इकबाल को बुलाकर पुनः अल्टीमेटम दिया। तब तक लॉज में पहुंचा हुआ पहले जोड़ा मौके पर से भाग खड़ा हुआ था।कुछ देर के बाद ही एक दूसरा युवक युवती का मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दिया। दो-चार लोग मौके पर पहुंचकर लड़का लड़की को पकड़ लिया था। दोनों लड़का लड़की निरसा उत्तर क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।युवक इतना मनबढ़ऊ था कि वह स्थानीय लोगों के साथ हाथापाई करते हुए अपने प्रेमिका को लेकर भाग खड़ा हुआ।पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरा में कैद है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने लॉज से कई आपत्तिजनक सामान, लड़कियों के सजने धजने का सामान बरामद कर लिया है। लॉज में अगले आदेश तक तालाबंदी कर दिया गया है।लॉज का संचालन पूरे जनबहुल एरिया में किया जा रहा था।इस संबंध में एस-ाडीपीओ लीलेश्वर महतो ने कहा कि लॉज में गलत काम की जानकारी मिली है। कई आपत्तिजनक सामान मिला है।पुलिस कार्रवाई करेगी।सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

संक्षिप्त खबरें

हत्या के मामले में दो आरोपियों को आजीवन कारावास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : पिकअप बुक कर चालक की हत्या करने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सचिंद्रनाथ सिन्हा की अदालत ने आरोपी दीपेश सलूजा 30 वर्ष व उत्तम कुमार तिवारी 20 वर्ष को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। वहीं न्यायालय ने 392 आईपीसी में 10 वर्ष व 411 में 3 वर्ष की सजा सुनाई।सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। जानकारी के अनुसार मामला वर्ष 2023 का है. घटना को लेकर मृतक के भाई राजेश पंडित ने तिलैया थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना को दिए आवेदन में कहा गया था कि उसका भाई पिकअप वाहन चलता था। किराया पर ले जाने के लिए दो युवकों ने वाहन को बुक किया था. वाहन में बरही से शीश लोड कर बगोदर लेकर जाना था। सुबह 8 बजे तक भाई से बात हुई उसके बाद फोन की घंटी बजा, लेकिन बात नहीं हुई। सुबह करीब 9:30 बजे फोन से सूचना मिली कि एक लाश जवाहर घाटी में मिला है जाकर देखा तो उसका भाई सोनू पंडित 22 वर्ष क्षत विक्षत पड़ा था।पुलिस ने बाद में पूरे मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया था. अदालत में मामला आने पर अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्तों को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया. वहीं बचाव पक्ष की ओर से डिफेंस काउंसिल नवल किशोर ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया।अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यों का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्तों को सजा सुनाई।k

सास ने पति और उसके भाई पर दर्ज कराया हत्या का मामला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के मुंगियामारनी गांव निवासी चुड़की सोरेन ने उसकी पुत्री जियामुनि मरांडी को मारगोमुंडा थाना क्षेत्र के मकनपुर स्थित ससुरालवालों द्वारा हत्या कर साक्ष्य छिपाने हेतु फांसी के फंदे में लटका देने का मामला दर्ज कराया है।घटना के संबंध में चुड़की सोरेन ने पुलिस को बताया कि 9 वर्ष पूर्व उसने अपनी पुत्री जियामुनि मरांडी की शादी आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार मारगोमुंडा थाना क्षेत्र के मकनपुर गांव निवासी मनोहर किस्कू के साथ हुई थी।शादी के कई वर्ष बाद उसकी पुत्री के पति का किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध रहने के चलते पति-पत्नी के बीच रिश्ता ठीक नहीं चलने लगा।मृतिका के साथ उसका पति अक्सर मारपीट करता रहता था। मारगोमुंडा थाना की पुलिस और मुखिया के द्वारा मृतिका की मां को सूचना मिली कि उसकी पुत्री ने फांसी लगा लिया है।सूचना मिलते ही मृतका के परिजन आनन-फानन में उसके ससुराल मकनपुर पहुंचे।परिजनों ने मृतक को घर के समीप स्थित जंगल के पेड़ में फांसी के फंदे में मृतिका को लटका हुआ देख परिजन चीख चित्कार कर रोने लगे। इस दौरान पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से फांसी के फंदे में लटके शव को नीचे उतारा और शव का पंचनामा दर्ज करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इधर पुलिस ने मृतिका की मां के लिखित बयान पर मृतका के पति मनोहर किस्कू और भाई मोहीलाल किस्कू को नामजद आरोपी बनाते हुए हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।इस संबंध में थाना प्रभारी शशि कपूर का कहना था कि घटना को लेकर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

होल्डिंग टैक्स पर 10% की विशेष छूट का आखिरी दिन, मानगो में छुट्टी के बावजूद खुलेगा कार्यालय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : मानगो नगर निगम क्षेत्र के निवासियों के लिए होल्डिंग टैक्स में बचत करने का मंगलवार आखिरी मौका है। एकमुश्त होल्डिंग टैक्स भुगतान पर मिल रही 10 प्रतिशत की विशेष छूट मंगलवार यानी 30 जून 2026 को समाप्त हो रही है।हूल दिवस की सरकारी छुट्टी होने के बाद भी मानगो नगर निगम ने अपने पुराने कार्यालय को पूरे दिन खुला रखने का फैसला लिया है।ताकि कोई भी नागरिक इस छूट से वंचित न रहे।करदाता सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक नगर निगम कार्यालय जाकर अपना टैक्स जमा कर सकते हैं. समय पर भुगतान करने से नागरिकों को न केवल 10% की सीधी बचत होगी। बल्कि वे भविष्य में लगने वाले विलंब शुल्क (पेनाल्टी) से भी बच जायेंगे।नगर निगम के सिटी मैनेजर सह नोडल पदाधिकारी प्रदीप कुमार ने कहा है कि छुट्टी के दिन भी काउंटर चालू रहने से विशेषकर नौकरीपेशा और व्यस्त रहने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी।निगम ने सभी होल्डिंग धारकों से अपील की है कि वे इस अंतिम अवसर का लाभ उठाये और समय पर टैक्स देकर मानगो के विकास में अपना योगदान दें।

जेएसएफसी गोदाम के मजदूरों की हड़ताल 11वें दिन भी जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कडरू स्थित झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड (जेएसएफसी) के गोदाम में कार्यरत मजदूरों की हड़ताल सोमवार को 11वें दिन भी जारी रही। 25 लाख रुपये के बकाया भुगतान की मांग पर अड़े मजदूरों ने कामकाज पूरी तरह ठप रखा। इसके कारण एफसीआई से अनाज लेकर पहुंचे नौ ट्रकों की अनलोडिंग नहीं हो सकी।हड़ताल समाप्त कराने के लिए मार्केटिंग अफसर (एमओ) राजेश केरकेट्टा और एजेंसी के प्रतिनिधि आशीर्वाद मिश्रा ने मजदूरों से मुलाकात की।उन्होंने आश्वासन दिया कि बकाया राशि का भुगतान दो दिनों के भीतर कर दिया जायेगा, इसलिए हड़ताल वापस ले ली जाये।इस पर मजदूरों ने स्पष्ट कहा कि पहले बकाया भुगतान किया जाये, उसके बाद ही काम शुरू होगा।मजदूरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण डोर-स्टेप डिलिवरी व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गयी है। गोदाम से अनाज का उठाव नहीं होने के कारण पीडीएस दुकानदारों (डीलरों) तक राशन नहीं पहुंच पा रहा है।यदि जल्द ही गतिरोध समाप्त नहीं हुआ, तो जुलाई महीने के राशन वितरण पर बड़ा संकट खड़ा हो सकता है और लाखों कार्डधारियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, समय-सीमा, बीएलओ एवं बीएलए-2 की भूमिका तथा जनसहभागिता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा तथा भरे हुए प्रपत्रों को प्राप्त कर एसिनेट में प्रविष्टि की जाएगी। 05 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा तथा दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया 04 सितंबर 2026 तक चलेगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 07 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं पारदर्शी बनाने में राजनीतिक दलों और उनके द्वारा नामित बीएलए-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपने-अपने मतदान केंद्रों पर बीएलए-2 की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बीएलए-2, बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को अधिक प्रभावी एवं विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।बैठक में बताया गया कि एन्यूमरेशन चरण के दौरान बीएलओ एवं बीएलए-2 के बीच नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी। घर-घर भ्रमण के दौरान बीएलए-2 भी बीएलओ के साथ शामिल हो सकेंगे तथा मतदाताओं से संवाद की प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। विशेष रूप से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान एवं सत्यापन में बीएलए-2 की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।डीसी ने स्पष्ट किया कि एन्यूमरेशन चरण के दौरान मतदाताओं से किसी प्रकार का दस्तावेज एकत्र नहीं किया जाएगा। यदि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं है, तो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार हटाना है।बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता जागरूकता अभियान में भी सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया गया। उपायुक्त ने कहा कि 30 जून 2026 से प्रारंभ होने वाले एन्यूमरेशन चरण के दौरान अधिक से अधिक लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया एवं जन जागरूकता गतिविधियों का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित जागरूकता अभियान में सहयोग करने की अपील की।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन, राजनीतिक दलों एवं आम नागरिकों की सहभागिता समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया।बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी,समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीपीएलआर कार्यालय में भ्रष्टाचार के विरोध में निकली शवयात्रा, सात सूत्री मांगों पर जांच की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : विस्थापित नौजवान संघर्ष मोर्चा ने सोमवार को डीपीएलआर कार्यालय व उसके अधीन विशेष भू-अर्जन कार्यालय में कथित भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार महतो के नेतृत्व में काफी संख्या में महिला-पुरुष कार्यकताओं ने नवनिर्मित टाउन हॉल से उपायुक्त कार्यालय होते हुए डीपीएलआर कार्यालय तक जुलूस निकाला।प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने उपायुक्त, उप विकास आयुक्त व डीपीएलआर कार्यालय के खिलाफ नारेबाजी की।मोर्चा ने उपायुक्त और उप विकास आयुक्त की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकालकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि डीपीएलआर कार्यालय और विशेष भू-अर्जन कार्यालय में व्यापक अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने सात सूत्री मांगों पर तत्काल उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार महतो ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगों पर जांच शुरू नहीं होती है तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए जिला प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच प्रतीकात्मक शव के अंतिम संस्कार को लेकर नोकझोंक भी हुई। हालांकि बाद में प्रदर्शनकारियों ने अपना कार्यक्रम पूरा किया।प्रदर्शन में आनंद महतो, धीरेन सोरेन, विजय कुमार मिश्रा, विजय कुमार महतो, विश्वजीत कुमार, फुरकान अली, बीरबल हेंब्रम, बासुदेव महतो, मोहम्मद रफीक अंसारी, दिलीप कुमार महतो, शिवम कुमार, अहिल्या देवी, कोमल देवी, पूनम देवी, रीना देवी, अंजू देवी सहित अन्य लोग शामिल थे।

नेशनल शूटर तारा शाहदेव प्रकरण में उम्र कैद के सजायाफ्ता रकीबुल को राहत नहीं, जमानत याचिका खारिज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट ने नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव के धर्म परिवर्तन,यौन उत्पीड़न व दहेज प्रताड़ना से संबंधित मामले में आजीवन कारावास के सजायाफ्ता रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल की ओर से क्रिमिनल अपील के तहत जमानत याचिका पर सुनवाई की।जस्टिस आनंद सेन व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान प्रार्थी व प्रतिवादी का पक्ष सुना।पक्ष सुनने के बाद खंडपीठ ने जमानत याचिका (आइए याचिका) की।को खारिज कर दिया।इससे पहले प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ने खंडपीठ को बताया कि मामले में रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल सात वर्ष छह माह से अधिक समय से जेल में है। उसके आधार पर जमानत देने का आग्रह किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल की ओर से क्रिमिनल अपील याचिका दायर कर सीबीआइ की विशेष अदालत द्वारा सुनायी गयी उम्र कैद की सजा को निरस्त करने की मांग की है। साथ ही आइए याचिका दायर कर जमानत देने की मांग की थी।रांची सीबीआइ की विशेष अदालत ने रंजीत कोहली की मां कौशल रानी को 10 साल की सजा सुनायी थी।साथ ही न्यायिक सेवा के वरीय अधिकारी (बर्खास्त) मुश्ताक अहमद को 15 साल की सजा सुनायी थी, जबकि रंजीत कोहली को अंतिम सांसों तक जेल में रहने से संबंधित उम्र कैद की सजा सुनायी गयी थी।

सिरपा में वज्रपात से युवक की मौत, परिवार का इकलौता चिराग बुझा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : अनगड़ा थाना क्षेत्र के सिरपा गांव में खेत जुतवाने के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से भागीरथ महतो (26वर्ष) नामक युवक की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, भागीरथ महतो सोमवार दोपहर को अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई करवा रहे थे, तभी अचानक तेज कड़क के साथ उन पर बिजली गिर गई। इसके बाद वे गंभीर रूप से झुलस गए।परिजन उन्हें आनन-फानन में सीएचसी ले गए, जहां से उन्हें रिम्स रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक भागीरथ अपने पिता रमेश महतो के इकलौते पुत्र थे, जिससे इस हादसे के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।घटना पर दुख व्यक्त करते हुए समाजसेवी रामपोदो महतो ने सरकार से पीड़ित परिवार को अविलंब 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है।इधर वज्रपात की चपेट में आकर जरगा कुसुमढीपा निवासी बाबित्री देवी (40) गंभीर रूप से झुलस गई। आनन फानन में महिला को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पीड़ितों और जरूरतमंद लोगों को समय पर न्याय एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराना जिला विधिक सेवा प्राधिकार का मुख्य उद्देश्य:पीडीजे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज कमल मिश्रा के निर्देशन में झालसा के उप सचिव , अभिषेक कुमार और अवर सचिव दीपक कुमार साहू ने 29 जून 2026 को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित सभा कक्ष में जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा के माध्यम से अपराध पीड़ितों और विभिन्न योजनाओं के लाभुकों से सीधा संवाद किया और उन्हें मिल रही सुविधाओं और सहायता की जानकारी ली। इस-।के पूर्व सभा कक्ष में झालसा के पदाधिकारीगण सीजेएम केके मिश्रा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हेमंत कुमार सिन्हा, सचिव लाल दीपक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। झालसा के उप सचिव अभिषेक कुमार ने कहा है।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नालसा की विभिन्न योजनाएं का धरातल पर उचित क्रियान्वयन है।महिलाओं के साथ हो रहे अपराध पर पीड़िता को किस प्रकार से लाभ मिल रहा है उनके जीवन में क्या बदलाव आया है। इसका मूल्यांकन करने का जिम्मा पूरे भारत के सभी एसएलएसए को दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में कार्य किए जा रहे हैं और पीड़ितों से मुलाकात कर जानकारी ली जा रही है। वहीं इसपर कई तरह के पहल किए जा रहे हैं ताकि इसे और भी प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हम सभी एजेंसी की तरह सेवा प्रदान करने के लिए हैं। हमें ध्यान रखना है कि हमें जो भी कार्य मिला है उसे पूरी जिम्मेवारी से पूरा करे। उन्होंने कहा कि किसी घटना की खबर होने पर न्यायधीश स्वतः संज्ञान लेते हैं और उनके निर्देश पर कार्य करते हुए पीड़ित को मुआवजा प्रदान किया जाता है। छोटे छोटे प्रयास और सामाजिक लाभ किसी के जीवन में परिवर्तन ला सकता है। वहीं डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि पीड़ितों और जरूरतमंद लोगों को समय पर न्याय एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराना जिला विधिक सेवा प्राधिकार का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर डालसा से संपर्क करने की अपील की। वहीं पदाधिकारियों ने लाभुकों से बातचीत कर मुआवजा राशि मिलने की स्थिति, उसके उपयोग तथा पुनर्वास से जुड़े पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने यह भी जाना कि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल रहा है या नहीं तथा किसी प्रकार की समस्या होने पर उसे दूर करने का आश्वासन दिया। मौके पर सिविल जज सीनियर डिवीजन रोहित कुमार, रजिस्ट्रार व्यवहार न्यायालय अमित कुमार गुप्ता, सिविल जज जूनियर डिवीजन जया स्मिता कुजूर, पीएलए के सदस्य, एलएड-।सीएस के अधिवक्ता, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी, लाभुक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अधिसूचना के इंतजार में अटका लेबर कोड का नया श्रम कानून ढांचा, बोकारो में श्रम विभाग का कार्य प्रभावित

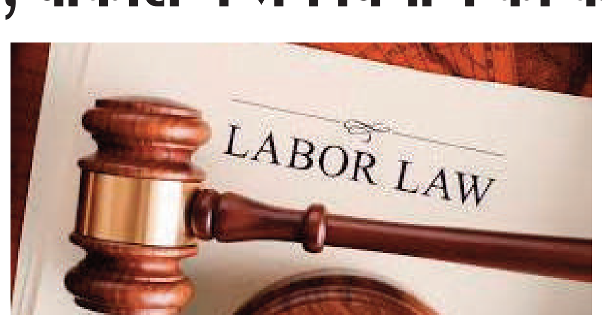

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : केंद्र सरकार द्वारा श्रम सुधार के उद्देश्य से बनाए गए चारों लेबर कोड-कोड ऑन वेजेज, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, सोशल सिक्योरिटी कोड तथा ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड-के नियम अधिसूचित किए जा चुके हैं।हालांकि झारखंड सरकार द्वारा अब तक राज्य स्तरीय नियम अधिसूचित नहीं किए जाने के कारण इनका क्रियान्वयन राज्य में शुरू नहीं हो सका है। इसका असर औद्योगिक जिला बोकारो में भी देखने को मिल रहा है। बोकारो के श्रम विभाग को अभी पुराने श्रम कानूनों के तहत ही कार्य करना पड़ रहा है।श्रमिक पंजीकरण, वेतन संबंधी मामलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, औद्योगिक विवादों के निपटारे तथा कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़े कई मामलों में नई व्यवस्था लागू नहीं होने से अपेक्षित बदलाव नहीं हो पा रहे हैं।बोकारो उप श्रमायुक्त रंजीत कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा चारों लेबर कोड के लिए आवश्यक नियम तैयार किए जा चुके हैं।राज्य सरकार की ओर से नियम अधिसूचित होने के बाद विभाग नई व्यवस्था के अनुरूप कार्य प्रारंभ करेगा।उन्होंने कहा कि लेबर कोड लागू होने से श्रमिकों और नियोजकों दोनों को लाभ मिलेगा तथा श्रम कानूनों का अनुपालन अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बन सकेगा।उन्होंने कहा कि नए लेबर कोड के लागू होने से श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा मजबूत होगी, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का दायरा बढ़ेगा तथा न्यूनतम मजदूरी और औद्योगिक संबंधों के प्रबंधन में एकरूपता आयेगी। इससे श्रम विभाग के कार्यों में भी दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी।

हल्की बारिश ने फिर खोल दी बीएसएल की पोल, सीईजेड गेट पुल के नीचे जलजमाव से थमा आवागमन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : सोमवार को हुई बारिश ने एक बार फिर बीएसएल क्षेत्र की पुरानी समस्या को उजागर कर दिया। बीएसएल के टाउनशीप एरीय के सेक्टर-12 मोड़ में बारिश का पानी भर गया तो दूसरी ओर बीएसएल के सीईजेड गेट के निकट रेलवे पुल के नीचे बारिश का पानी भर जाने से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।पुल के नीचे सड़क पर जलजमाव होने से कार, ट्रक, बाइक और अन्य वाहन काफी धीमी गति से गुजरते दिखे। कई दोपहिया वाहन चालक पानी में संतुलन बनाकर निकलने को मजबूर रहे।स्थानीय इंद्रजीत कुमार, राजेश कुमार, रौनक कुमार, श्रवण झा सहित अन्य लोगों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं, बल्कि वर्षों पुरानी है. हर मानसून में हल्की बारिश के बाद भी पुल के नीचे पानी जमा हो जाता है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। कई बार छोटे वाहन बीच रास्ते में बंद हो जाते हैं और जाम की स्थिति बन जाती है।लोगों का आरोप है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने और नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण हर वर्ष यही स्थिति बनती है। बावजूद इसके अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है।स्थानीय नागरिकों ने बीएसएल प्रबंधन और संबंधित विभाग से मांग की है कि मानसून के दौरान लोगों की परेशानी को देखते हुए पुल के नीचे जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि हर बारिश के बाद लोगों को इस समस्या से दो-चार न होना पड़े।

संक्षिप्त खबरें

गौरखूंटी कोक प्लांट कॉलोनी के लोग पिछले एक महीने से बिजली समस्या से परेशान

भाजपा सांसद प्रतिनिधि ने पूर्वी झरिया क्षेत्र के जीएम से की वार्ता

भौंरा : पूर्वी झरिया क्षेत्र के गौरखूंटी कोक प्लांट कॉलोनी में पिछले एक महीने से बिजली की गंभीर समस्या बनी हुई है। भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली आपूर्ति बाधित रहने से कॉलोनी के लोग इस गर्मी में काफी परेशान हैं। कई बच्चे और अन्य लोग भी बीमार पड़ रहे हैं।कॉलोनीवासियों का आरोप है कि उन्होंने बिजली समस्या को लेकर कई बार क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक आयोग के नेता एवं सांसद प्रतिनिधि गफ्फार अंसारी ने कॉलोनी के लोगों के साथ महाप्रबंधक से मुलाकात कर बिजली समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की। इस पर महाप्रबंधक ने विद्युत अभियंता रवि राज को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द कॉलोनी की बिजली समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दो दिनों के भीतर बिजली की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्रीय कार्यालय का घेराव किया जाएगा और आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बरवाअड्डा पुलिस ने बालू लदा 8 ट्रैक्टर जब्त किया

धनबाद।नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनलन की बालू खनन पर रोक के बावजूद धनबाद में अवैध बालू का कारोबार धड़ल्ले से जारी है। बरवाअड्डा पुलिस ने दो दिनों में कार्रवाई करते हुए बालू लदे 8 ट्रैक्टरों को जब्त किया है।

बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की। अलग-अलग जगहों से अवैध बालू लादकर जा रहे 8 ट्रैक्टर पकड़े गए। सभी ट्रैक्टरों को जब्त कर थाने लाया गया है।

पुलिस ने जब्त किए गए ट्रैक्टर मालिकों के खिलाफ अवैध बालू खनन और परिवहन का मामला दर्ज किया है।

वेतन समझौते की देरी का विरोध

कतरास। राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता के गठन मे हो रही देरी से क्षुब्ध धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ का आंदोलन सोमवार को भी जारी रहा। गोविंदपुर क्षेत्र की सभी कोलियरियों में संघ के झंडे-बैनर तले प्रदर्शन किया गया। कोयला श्रमिकों ने अपनी मांगों के समर्थन में और प्रबंधन के ढुलमुल रवैये के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गौरतलब है कि राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता की समयावधि 30 जून को समाप्त होने जा रही है। संघ के नेता ने कहा कि कोयला उद्योग में कार्यरत लाखों श्रमिकों के वेतन, सेवाशर्त एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े आगामी समझौते के गठन के लिए संगठन द्वारा पूर्व में ही प्रबंधन को पत्र दिया गया था। इसके बावजूद प्रबंधन द्वारा अब तक कोई उचित कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण संगठन को आंदोलनात्मक कदम उठाना पड़ा है।

सभा की अध्यक्षता परमात्मा सिंह ने की, जबकि संचालन सचिव बलमत साव ने किया। कार्यक्रम में केंद्रीय अध्यक्ष सह सीसीसी समिति सदस्य मुरारी ताँती, क्षेत्रीय संयुक्त सचिव गजेंद्र कुमार और क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रशेखर महतो, सुरेश यादव, दिलीप सिंह, विश्वजीत चौहान, प्रेमचंद राय, मुस्ताक खान सहित कई श्रमिक नेता उपस्थित थे। गोविंदपुर क्षेत्रीय शाखा में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश मिश्रा ने की। संचालन शाखा सचिव रातुल राय और क्षेत्रीय सचिव तेजलाल प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। कल्याण समिति सदस्य रेखा कुमारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री पिनाकी मित्रा, जितेंद्र कांदु, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष कुमार नंद गोपाल, सह कोषाध्यक्ष शैलेश तिवारी, शाखा संयुक्त सचिव रोशन, मंतोष तिवारी, शुभम तिवारी, आदि मौजूद थे।

क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक में गोली कांड की निंदा

कतरास। गोविंदपुर क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को महाप्रबंधक सत्यप्रकाश आनंद की अध्यक्षता में क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक की गई। हाल ही में पंप ऑपरेटर उमेश रविदास को गोली मारने की घटना पर बैठक में चिंता व्यक्त की गई और इसकी कड़ी की गई।

बैठक में प्रबंधन एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने घटना की भर्त्सना करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करती हैं।

महाप्रबंधक सत्यकाम आनंद ने उपस्थित सदस्यों से घटना सुझाव प्राप्त किए तथा सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की। सीआईएसएफ एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का आग्रह किया जाएगा।

मौके पर अपर महाप्रबंधक दीपक कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबन्धक दीपक कुमार सिंह, अनुज कुमार, शशि रंजन, अरविंद कुमार झा, सुशील कुमार, केके दत्ता और यूनियन की ओर से मंतोष कुमार तिवारी, तेजलाल प्रसाद, अजय सिंह, विशाल सिंह, विजय कुमार आदि थे।

आतंकवाद-रोधी अभ्यास में आरपीएफ को मिला पुरस्कार

धनबाद। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड द्वारा 15 से 27 जून तक आयोजित 49वें क्लस्टराइज्ड ज्वाइंट काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज में रेलवे सुरक्षा बल की टीम को तृतीय स्थान मिला। इस उच्चस्तरीय संयुक्त अभ्यास में विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं राज्य पुलिस बलों की कुल 09 टीमें (152 प्रतिभागी) शामिल हुये जिनमें प्रत्येक टीम में 18 प्रशिक्षित कमांडो थे। अभ्यास के दौरान रूम इंटरवेंशन, बस इंटरवेंशन, आईईडी ऑब्जर्वेशन, फिजिकल एंड्यूरेंस तथा फायरिंग सहित विभिन्न सामरिक एवं परिचालन दक्षताओं का परीक्षण किया गया।

सुरक्षा विशेष बल के आरक्षी कुलवीर का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा

गढ़वा की घटना के बाद धनबाद के आवासीय विद्यालयों में व्यापक निरीक्षण

- खाद्य सामग्री के स्टॉक, किचन की साफ-सफाई और शुद्ध पेयजल की हुई सघन जांच

धनबाद। जिले के सभी आवासीय स्कूलों की जांच के निर्देश दिए गए है। गढ़वा जिले के खरौंधी प्रखंड कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में दूषित पानी और दूषित भोजन के सेवन से छात्राओं के बीमार होने की घटना को राज्य सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। राज्य सरकार से प्राप्त निदेर्शों के आलोक में, धनबाद डीसी ने निरीक्षण के निर्देश दिए है। आदित्य रंजन के आदेशानुसार जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले के सभी आवासीय विद्यालयों में जांच के निर्देश दिया गया है। विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर, वर्ग कक्ष की साफ सफाई विशेष कर रसोई घर भंडार कक्ष एवं रसोइयों का व्यक्तिगत साफ सफाई का अवलोकन किया इस संबंध में आवश्यक सलाह भी दी गई।डीसी ने निर्देश दिया है कि सभी आवासीय विद्यालयों के चापाकल, जल मीनार और आरओ सिस्टम की तुरंत सफाई कराई जाए। पेयजल स्त्रोतों की नियमित ब्लीचिंग करने तथा पानी के सैंपल की लैब टेस्टिंग कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि दूषित जल की संभावना को पूरी तरह खत्म किया जा सके। अन्य कई आदेश भी जारी किए गए है।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एक्शन समिति की पहली बैठक आयोजित

पटना, (एजेंसी) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगामी छात्रों की गूंज कार्यक्रम के मद्देनजर एक्शन समिति की पहली बैठक गांधी संग्रहालय, पटना में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं एक्शन ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस बैठक में विशेष रूप से बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू मौजूद थे। इस अवसर पर कुमार अनुपम ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा उपस्थित सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को छात्रों के बीच जाकर उनसे संपर्क एवं संवाद स्थापित करना है तथा उन्हें छात्रों की गूंज कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व की जानकारी देनी है। उन्होंने आगे कहा कि आज भारत की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था सिलेक्शन (चयन) प्रक्रिया कम और रिजेक्शन (अस्वीकृति) प्रक्रिया अधिक बन गई है। लाखों युवा वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन सीमित अवसरों, भर्ती में देरी और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के कारण

अधिकांश छात्रों को निराशा का सामना करना पड़ता है। बैठक में कांग्रेस नेता एवं एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने भी उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि छात्रों की गूंज कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं की आवाज है। यह उन छात्रों और उनके परिवारों की पीड़ा एवं संघर्ष को सामने लाने का प्रयास है, जो वर्षों की कठिन मेहनत के बावजूद अपने परिश्रम का उचित परिणाम नहीं प्राप्त कर पाते। कन्हैया कुमार ने कहा कि यदि देश की शीर्ष पांच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों द्वारा खर्च की जाने वाली राशि को जोड़ दिया जाए, तो वह भारत सरकार के कई मंत्रालयों के कुल बजट से भी अधिक होगी। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि छात्रों की समस्याओं, चुनौतियों और अपेक्षाओं को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने सभी कार्यकताओं एवं सदस्यों से छात्रों तक अधिक से अधिक पहुंच बनाने, उन्हें संगठित करने तथा कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में चंद्रभूषण राजपूत सहित कांग्रेस पार्टी, एनएसयूआई एवं इंडियन यूथ कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित

स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष स्व. मुंगेरी लाल की 25वीं पुण्यतिथि मनाई गई

पटना, (एजेंसी) : सोमवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एवं स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय मुंगेरी लाल की 25 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्व. मुंगेरी लाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्व. मुंगेरी लाल ने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और कांग्रेस की विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया। उनका संघर्ष, त्याग और समर्पण आज भी कांग्रेस कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री संजीव प्रसाद टोनी, असितनाथ तिवारी, वैद्यनाथ शर्मा, चन्द्रभूषण राजपूत, डॉ.अमन कुमार, हीरा सिंह बग्गा, विन्ध्याचल आनन्द, राहुल भारद्वाज, अहमद रजा खान सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

आदापुर हत्याकांड में बड़ा फैसला: सात दोषियों को उम्रकैद, कोर्ट ने प्रत्येक पर 33 हजार रुपये का लगाया जुमार्ना

मोतिहारी, (एजेंसी) : पूर्वी चंपारण के बहुचर्चित आदापुर हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी सात आरोपियों को दोषी करार दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय) की अदालत ने सभी दोषियों को आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक दोषी पर 33-33 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। यह फैसला आदापुर थाना कांड संख्या-210/21 (एसटीआर संख्या-709/21) से जुड़े हत्या मामले में त्वरित विचारण (फास्ट ट्रैक ट्रायल) के तहत सुनाया गया। अदालत ने मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक साक्ष्यों, मजबूत चार्जशीट और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी को आधार बनाते हुए सभी आरोपियों को दोषी माना। सजा पाने वालों में कृष्ण मोहन सिंह, अनोज सिंह, रंजीत सिंह, चुनचुन उर्फ देवेंद्र सिंह, विजयजीत सिंह, वीरेंद्र सिंह और प्रवीण सिंह शामिल हैं। सभी आरोपी आदापुर थाना क्षेत्र के बैरिया गांव के निवासी हैं। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों के बयान, तकनीकी साक्ष्य और पुलिस जांच से जुड़े तथ्यों को अदालत के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। अदालत ने इन साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए बचाव पक्ष की दलीलों को खारिज कर दिया।

गया जंक्शन जीआरपी की बढ़ी कार्रवाई की उपलब्धियां व लाई जाए तेजी : रेल एसपी

रेल एसपी अंनत कुमार राय ने की गया जंक्शन जीआरपी के कार्यो की समीक्षा

छह माह में 186 कांडों का निष्पादन, शराब, गांजा व चोरी के मामलों में मिली बड़ी सफलता

गया जी (एजेंसी) : रेल एसपी अधीक्षक अनंत कुमार राय ने सोमवार को गया जंक्शन रेल थाना के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा में थाना द्वारा जनवरी से जून 2026 तक किए गए कार्यों का आकलन किया गया। इस दौरान रेल एसपी ने अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के निष्पादन में और अधिक तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई जारी रखी जाए ताकि यात्रियों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।समीक्षा के दौरान बताया गया कि रेल थाना अध्यक्ष शिवकुमार यादव के नेतृत्व में जनवरी से जून तक कुल 186 कांडों का सफल निष्पादन किया गया। लगातार कार्रवाई और अनुसंधान में तेजी के कारण लंबित मामलों की संख्या घटकर 96 रह गई है। रेल एसपी ने इसे संतोषजनक उपलब्धि बताते हुए अनुसंधान की गुणवत्ता बनाए रखने और शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया रेल थाना ने छह माह के दौरान अवैध कारोबार के खिलाफ भी व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान 1,337 लीटर अंग्रेजी शराब, 2,343 लीटर देसी शराब, 97 किलोग्राम गांजा, 15 किलोग्राम पोपी हस्क पाउडर तथा 464 किलोग्राम महुआ फूल बरामद किया गया। शराब तस्करी के आरोप में 67 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं विभिन्न मामलों में कुल 153 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई जिनमें 67 उत्पाद अधिनियम, 82 चोरी के मामलों तथा चार अन्य मामलों के आरोपी शामिल हैं।

कार्रवाई के दौरान रेल पुलिस ने चोरी और अन्य मामलों में 148 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की। इसके अलावा 44 ग्राम सोना और 604 ग्राम चांदी भी जब्त की गई। रेल एसपी अनंत कुमार राय ने कहा कि गया जंक्शन रेल थाना ने बीते छह महीनों में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यात्रियों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण, तस्करी रोकने और लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए अभियान और तेज किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

गया जंक्शन का प्लेटफॉर्म वन-बी पर एक पखबाड़े का मेगा ब्लॉक

गया जी : गया जंक्शन पर पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल विश्वस्तरीय स्टेशन निर्माण परियोजना के तहत प्लेटफॉर्म संख्या वन-बी के पुनर्विकास कार्य के लिए रेलवे प्रशासन ने 15 दिनों का मेगा ब्लॉक स्वीकृत किया है। यह मेगा ब्लॉक मंगलवार की सुबह से प्रभावी होगा। इसके बाद निर्धारित अवधि तक इन दोनों प्लेटफॉर्म से किसी भी ट्रेन का परिचालन नहीं किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया है ताकि यात्रियों को भविष्य में बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें रेल सूत्रों ने बताया कि रेल कंस्ट्रक्शन कंपनी ने निर्माण कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए 25 दिनों के मेगा ब्लॉक की मांग की थी। हालांकि रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों के संचालन को ध्यान में रखते हुए केवल 15 दिनों के मेगा ब्लॉक की अनुमति दी है। इस दौरान प्लेटफॉर्म वन-बी से संचालित होने वाली सभी ट्रेनों को गया जंक्शन के अन्य उपलब्ध प्लेटफॉर्म से चलाने की व्यवस्था की जाएगी। रेलवे ने संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि गया जंक्शन को विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण चरण है। पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत प्लेटफॉर्मों का आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं का विस्तार, बेहतर यात्री आवागमन, आधुनिक प्रतीक्षालय, उन्नत प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन के प्लेटफॉर्म संबंधी जानकारी अवश्य प्राप्त करें और स्टेशन पर समय से पहले पहुंचें, ताकि बदली हुई व्यवस्था के बीच यात्रा सुगम बनी रहे। रेल सूत्रों ने बताया कि कार्य की स्थिति को देखते हुए जरूरत पड़ने पर मेगा ब्लॉक का समय में विस्तार भी दिया जा सकता है।

जगनबागी पुल के पास से चोरी की बाइक संग दो लोग धरे गए

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के जगनबागी पुल के पास से रविवार की देर रात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी की एक बाइक के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है और गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में यह सफलता मिली है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि चोरी की बाइक के साथ दो युवक थाना क्षेत्र के जगनबागी पुल के समीप मौजूद हैं। सूचना मिलते ही एसआई अमरेंद्र कुमार, एएसआई मनोज कुमार, एएसआई सतीन कुमार एवं एएसआई सुभाष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर तत्काल छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने जगनबागी पुल के समीप पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन जवानों की सतर्कता के कारण उन्हें मौके पर ही दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक बाइक बरामद हुई, जो जांच में चोरी की पाई गई।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अरगा गांव निवासी कमलेश कुमार, पिता-माली यादव तथा सुरुंगाबीघा निवासी सनोज कुमार, पिता-सजन यादव के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बरामद बाइक कहां से चोरी की गई थी और इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। दोनों आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जंगल से भटककर गांव पहुंचे दो हाथी, गन्नी पिपरा में दहशत का माहौल

सोमवार सुबह गांव के समीप दिखे दो हाथी, झुंड से बिछड़ने की जताई जा रही आशंका

सूचना मिलते ही वन विभाग व पुलिस की टीम पहुंची, हाथियों पर रखी जा रही नजर

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के गन्नी पिपरा गांव के समीप सोमवार की सुबह जंगल से भटककर आए दो हाथियों के दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। गांव के नजदीक दोनों हाथियों के पहुंचने की सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ जुटने लगी। हालांकि, हाथियों ने अब तक किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई है, फिर भी ग्रामीणों में भय और आशंका का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार सुबह गांव के पास दो हाथी देखे गए। आशंका जताई जा रही है कि दोनों हाथी अपने झुंड से बिछड़कर आबादी वाले इलाके में पहुंच गए हैं। अपरिचित क्षेत्र में पहुंचने के कारण दोनों हाथी बेचैन नजर आ रहे थे। हाथियों के गांव के समीप होने की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उन्हें देखने पहुंचने लगे। इस दौरान कुछ बच्चों द्वारा शोर-शराबा किए जाने से स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थानीय लोगों ने बच्चों को वहां से हटाकर शांत माहौल बनाए रखने का प्रयास किया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही बीडीओ शशिभूषण साहू, सीओ अमिता सिंहा, गुरपा वन क्षेत्र के रेंजर रजनीश कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फतेहपुर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंचकर स्थिति पर नजर रख रही है। वन विभाग की टीम हाथियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी कर रही है तथा उन्हें सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर भेजने का प्रयास किया जा रहा है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे हाथियों के नजदीक नहीं जाएं, उन्हें उकसाने या शोर-शराबा करने से बचें तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।गौरतलब है कि वर्ष 2016 में भी हाथियों का एक झुंड फतेहपुर क्षेत्र में पहुंच गया था। उस दौरान कई घर क्षतिग्रस्त हुए थे और एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया था। वहीं, एक हाथी की मौत भी हो गई थी। लगभग एक दशक बाद एक बार फिर हाथियों की आमद से ग्रामीणों के बीच पुरानी घटनाओं की याद ताजा हो गई है और वे दहशत में हैं।

बीस दिन बाद सकुशल घर लौटे लापता शशिभूषण, घर में लौटीं खुशी

बेटी की शादी से 12 दिन पहले रहस्यमय ढंग से लापता हो गए थे शशिभूषण उपाध्याय

पिता के गैर मौजूदगी में 23 जून को उदासी के बीच बेटी की हुई थी शादी

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के नीमी गांव गांव निवासी शशिभूषण उपाध्याय बीस दिन बाद अपने घर लौट आए। उनके सकुशल घर वापसी से घर-परिवार में खुशी है।बेटी की शादी से 12 दिन पहले 9 जून को सुबह में शशिभूषण अचानक रहस्यमय ढंग से लापता हो गए थे। इससे परिजनों के बीच चिंता व बेचैनी बढ़ी हुई थी।परिजनों ने बताया कि घर में शशिभूषण

उपाध्याय की बेटी की शादी की तैयारी चल रही। 23 जून को बारात आनी थी और शादी होनी थी। इसी बीच 9 जून को घर से साइकिल से निकले शशिभूषण उपाध्याय अचानक लापता हो गए। शादी की तैयारी में जुटे परिवार पर उस समय चिंता का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी काफी खोजबीन करने और रिश्तेदारों के यहां पता लगाने के बाद जब कहीं कोई अता-पता नहीं चलने पर परिवार वाले थाना में आवेदन देकर शशिभूषण उपाध्याय की गुमशुदगी की सूचना दी तथा उन्हें जल्द खोजकर सुरक्षित घर वापस लाने की पुलिस से गुहार लगाई थी। इधर, बेटी की शादी की तिथि नजदीक होने के कारण परिवार की चिंता और बढ़ गई थी। इसके बाद भी उसी तय तिथि 23 जून को पिता शशिभूषण उपाध्याय के गैर मौजूदगी में उदासी के बीच उनकी बेटी की शादी हुई। बेटी की शादी के पांच दिन बाद सोमवार को शशिभूषण उपाध्याय अचानक अपने घर नीमी गांव लौट आए। वे दिमागी संतुलन बिगड़ने के कारण अचानक ट्रेन बैठकर वाराणसी चले गए थे और वहीं रह रहे थे। जब उनका दिमागी हालत कुछ ठीक हुआ तो घर की याद आई। उन्हें सकुशल घर लौट आने पर घर-परिवार में खुशी छा गई। परिजन उनके सकुशल लौटने की उम्मीद लगाए हुए थे, जबकि पुलिस मामले की जांच व उनकी तलाश में जुटी थी। उनके सकुशल लौट आ जाने से पुलिस ने भी राहत महसूस की है।

रेलवे संरक्षा आयुक्त ने किया

छिपादोहर-मंगरा रेलखंड के मध्य रैल लाइन का निरीक्षण

धनबादः संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी सर्किल, कोलकाता कै संरक्षा आयुक्त गुरु प्रकाश सोमवार को धनबाद मंडल के अंतर्गत छिपादोहर-मंगरा रेलखंड के 15.619 किमी नवनिर्मित तीसरी रेल लाइन का निरीक्षण सह स्पीड ट्रायल किया गया। निरीक्षण के क्रम में संरक्षा आयुक्त (रेलवे) ने रेल पथ, पुल-पुलियों, लेवल क्रॉसिंग, सिग्नलिंग व्यवस्था, संरक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं का गहनता पूर्वक अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए साथ ही मंगरा- बरवाडीह - छिपादोहर रेलखंड का स्पीड ट्रायल किया गया ' इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण (साउथ) राजीव गुप्ता तथा मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

सर्प दंश से घायल ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : रघुनाथपुर निवासी मथुर महतो 74 वर्ष की मौत सोमवार को शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल धनबाद में इलाज के दौरान हो गयी। खबर पाकर जिला परिषद प्रतिनिधि राजू महतो, सरोज महतो परिजन आदि पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव रघुनाथपुर पहुंचते ही परिवार सहित पूरे गांव में मातम पसर गया। परिजन दहाड़ मारकर रोने बिलखने लगे। परिजनों का कहना है कि शनिवार को सुबह घर से कुछ ही दूरी पर मृतक को जहरीले सांप ने काट लिया था। खबर मिलते ही परिजनों ने इलाज के लिए उसे शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मृतक ने इलाज के दौरान ही दम तोड़ दिया। विधायक चन्द्रदेव महतो, जिला परिषद सदस्य श्वेता कुमारी, मुखिया बीडी महतो, पंसस रविन्द्र नाथ महतो हुई घटना पर गहरा शोक जताया।

संपादकीय

सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, मोदी के नाम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा टापू है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हैवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इसमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने यहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय यहां पर जन्मजात रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनावी मुद्दा था। इस समय नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार को 15 लाख रूपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेयर बाजार एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है।

इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है।

साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं है परंतु एक नया वातावरण देना भी है।
: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

जब तक हम स्वयं निरपराध न हों तब तक दूसरों पर कोई आक्षेप सफलतापूर्वक नहीं कर सकते।
: सरदार पटेल

सूडोकु नवताल- 7558

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7557 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

दैनिक पंचांग

30 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.34 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.50 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	11.02 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.12 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.27 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.43 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.35 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.08 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	मेष	00.38 बजे से
		वृष	02.18 बजे से
		मिथुन	04.16 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 181 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि पूर्णिमा 05.27 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा अहोरात्र।
योग ब्रह्म 15.19 बजे को समाप्त।
करण बव 05.27 बजे तदनन्तर बालव 18.34 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872756
जूलियन दिन 2461221.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 14
विशेष इष्टि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस हमारे जीवन के सच्चे नायकों को समर्पित

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई को पूरे भारत में अत्यंत सम्मान और कृतज्ञता के साथ मनाया जाता है। यह दिन उन सभी चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है जो अपने ज्ञान, अनुभव, सेवा और समर्पण से लाखों लोगों का जीवन सुरक्षित बनाते हैं। यह दिवस महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती तथा पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था और इसी दिन वर्ष 1962 में उनका निधन हुआ। चिकित्सा और जनसेवा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के लिए वर्ष 1991 से भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाने की शुरूआत की गई।

डॉक्टर केवल बीमारी का उपचार करने वाले व्यक्ति नहीं होते बल्कि वे जीवन के रक्षक, समाज के मार्गदर्शक और मानवता की सेवा के सबसे बड़े प्रतीक होते हैं। जब कोई व्यक्ति शारीरिक या मानसिक पीड़ा से गुजर रहा होता है तब डॉक्टर ही उसे नई आशा और नया विश्वास प्रदान करते हैं। उनकी मुस्कान, उनका आत्मविश्वास और उनका अनुभव मरीज तथा उसके परिवार के लिए संबल बन जाता है। दिन हो या रात, त्योहार हो या अवकाश, डॉक्टर अपने कर्तव्य को सर्वोपरि मानते हुए निरंतर सेवा में लगे रहते हैं। यही कारण है कि उन्हें धरती पर भगवान का दूसरा रूप भी कहा जाता है।

आज के समय में चिकित्सा केवल उपचार तक सीमित नहीं रह गई है। आधुनिक डॉक्टर रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता अभियान, टीकाकरण कार्यक्रम, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श तथा संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना डॉक्टरों की जिम्मेदारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। उनका उद्देश्य केवल रोग का इलाज करना नहीं बल्कि लोगों को स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है।

डॉक्टर हमारे जीवन के हर चरण में हमारे साथ खड़े रहते हैं। जन्म के समय नवजात शिशु की पहली जांच से लेकर वृद्धावस्था तक वे हर आयु वर्ग के लोगों की देखभाल करते हैं। बच्चों की बीमारियों से लेकर बुजुर्गों की जटिल स्वास्थ्य समस्याओं तक डॉक्टर पूरी निष्ठा और धैर्य के साथ अपनी सेवाएं देते हैं। मधुमेह, हृदय रोग, गुर्दा रोग और कैंसर जैसी दीर्घकालिक बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए डॉक्टर केवल चिकित्सक नहीं बल्कि प्रेरणा और विश्वास का स्रोत भी होते हैं।

आपातकालीन परिस्थितियों में डॉक्टरों का योगदान सबसे अधिक दिखाई देता है। सड़क दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा, महामारी अथवा किसी भी स्वास्थ्य संकट के दौरान डॉक्टर अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की सेवा करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने देखा कि किस प्रकार डॉक्टरों ने अपने परिवार से दूर रहकर दिन-रात मरीजों की सेवा की और हजारों लोगों का जीवन बचाया। उनका यह समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस केवल डॉक्टरों को सम्मानित करने का अवसर नहीं बल्कि समाज को यह याद दिलाने का भी दिन है कि डॉक्टर भी इंसान हैं। वे भी मानसिक तनाव, शारीरिक थकान और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करते हैं। लंबे समय तक लगातार काम करना, कठिन परिस्थितियों में महत्वपूर्ण निर्णय लेना और हर दिन अनेक मरीजों की जिम्मेदारी निभाना आसान नहीं होता। इसलिए डॉक्टरों के स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है जितना मरीजों की देखभाल करना। स्वस्थ डॉक्टर ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं।

देश के अस्पताल और स्वास्थ्य संस्थान इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया जाता है। मरीज और उनके परिवार धन्यवाद पत्र, शुभकामना संदेश और छोटे-छोटे उपहार देकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग अपने अनुभव साझा करके डॉक्टरों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। यह सब डॉक्टरों के मनोबल को बढ़ाने और उनके योगदान को समाज के सामने प्रस्तुत करने का माध्यम बनता है।

हम सभी अपने जीवन में किसी न किसी डॉक्टर के प्रति आभार अवश्य व्यक्त कर सकते हैं। एक साधारण धन्यवाद संदेश, एक शुभकामना पत्र, एक प्रेरणादायक अनुभव साझा करना या किसी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में भाग लेना भी डॉक्टरों के प्रति सम्मान प्रकट करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। यदि हम नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं, चिकित्सकों की सलाह का पालन करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं तो यह भी उनके कार्य के प्रति हमारा सम्मान होगा।

आज देश के अनेक आधुनिक अस्पताल केवल उपचार तक सीमित नहीं हैं बल्कि अनुसंधान, नई तकनीक, आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर निरंतर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं ताकि वे चिकित्सा विज्ञान की नवीनतम जानकारी और तकनीकों का उपयोग कर मरीजों को सर्वोत्तम उपचार दे सकें। टीम भावना, आधुनिक सुविधाएं और मानवीय संवेदनाएं मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाती हैं।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस हमें यह भी सिखाता है कि स्वस्थ समाज का निर्माण केवल डॉक्टरों की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि हम स्वच्छता अपनाएं, संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें, समय पर टीकाकरण करवाएं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की अनदेखी न करें तो अनेक गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। डॉक्टरों के मार्गदर्शन का पालन करके हम स्वयं भी स्वस्थ रह सकते हैं और दूसरों को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

आज जब चिकित्सा विज्ञान निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है तब डॉक्टरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भी डॉक्टरों की मानवीय संवेदनाएं, अनुभव और निर्णय क्षमता का कोई विकल्प नहीं है। उनकी करुणा, सेवा भावना और समर्पण ही उन्हें समाज का सबसे सम्मानित वर्ग बनाते हैं।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि उन सभी चिकित्सकों के प्रति हमारी सामूहिक श्रद्धांजलि है जिन्होंने अपना पूरा जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया। आइए इस अवसर पर हम सभी अपने डॉक्टरों के प्रति सम्मान, विश्वास और कृतज्ञता व्यक्त करें तथा उनके योगदान को सदैव याद रखें। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही एक स्वस्थ, सुरक्षित तथा समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में हमारा महत्वपूर्ण कदम भी होगा।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मोहन के नेतृत्व में एमपी का धार्मिक और सांस्कृतिक अभ्युदय

देश का का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, मंदिरों, नदियों और आध्यात्मिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के 12 वर्षों के सफल कार्यकाल में देश के भीतर धार्मिक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की एक विशेष लहर देखने को मिली है। सही मायनों में कहा जाए तो मोदी सरकार के 12 साल मध्यप्रदेश के लिए भी धार्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का काल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एमपी धार्मिक और सांस्कृतिक अभ्युदय का नया अध्याय लिख रहा है। उनकी सरकार ने ह्विरासत से विकासह्व के मंत्र को अपनाते हुए आस्था, संस्कृति और आर्थिक समृद्धि को एक सूत्र में पिरोया है। विरासत से विकास के मंत्र के साथ मोहन सरकार सनातन संस्कृति को संरक्षित करते हुए धार्मिक पर्यटन को आर्थिक समृद्धि से जोड़ने का उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उज्जैन के महाकाल लोक से लेकर ओरछा के राम राजा लोक तक, श्री राम गमन पथ से श्री कृष्ण पाथेय से भोजशाला, चित्रकूट से लेकर एकात्म धाम तक प्रदेश में आस्था,आधुनिकता और विकास का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में धार्मिक स्थलों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। महाकाल लोक की सफलता के बाद कई अन्य स्थानों पर इसी तर्ज पर नए लोक पूरे प्रदेश में विकसित किए जा रहे हैं। उज्जैन में महाकाल लोक परिसर का विकास एक मील का पत्थर साबित हुआ है। यहां वॉटर स्क्रीन, फाउंटेन शो, मिलेट से बने श्री अन्न लड्डू प्रसादम और महाकालेश्वर बैंड जैसी अनूठी सुविधाएं शुरू की गई हैं। महाकालेश्वर मंदिर के आसपास भक्त निवास, 11 प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार और अन्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

ओरछा में राम राजा लोक के द्वितीय चरण का निर्माण शुरू हो चुका है। श्री राम राजा लोक, ओरछा, राम वन गमन मार्ग को भी विकसित किया जा रहा है। मोहन सरकार के प्रयासों से ओरछा में 500 वर्ष पुराना श्रीराजा राम का वैभव एक बार फिर जीवंत हो रहा है। चित्रकूट को अयोध्या की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही, लगभग 1,450 किलोमीटर लंबे राम वन पथ गमन मार्ग को एक भव्य धार्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने की पूरी कार्ययोजना लागू की गई है। इसी तरह से मोहन का बड़ा ड्रीम प्रोजेक्ट श्री कृष्ण पाथेय है। कृष्ण से जुड़े स्थानों को जोड़ने वाली योजना के तहत इसे भी भारी भरकम बजट आवंटित किया गया है और श्री कृष्ण पाथेय ट्रस्ट का गठन हुआ है। इसके साथ ही उज्जैन, जानापाव जैसे भगवान श्रीकृष्ण के लीला स्थलों को भी तीर्थ के रूप में विकसित करने की बड़ी कार्ययोजना पर काम चल रहा है। यूनेस्को के विश्व हेरिटेज सेंटर द्वारा प्रदेश की 6 धरोहरों को सम्मिलित किया गया है जिनमें ग्वालियर किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा, बुरहानपुर और रामनगर, मंडला का गौंड स्मारक शामिल है। लगभग 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 20 से ज्यादा भव्य लोकों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। एमपी आने वाले पर्यटकों को हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा एवं पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा से कई लोग लाभान्वित हुए हैं।

मोहन सरकार ने प्रदेश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के विकास पर विशेष जोर दिया है और अब वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को मध्यप्रदेश में पूरा करने की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव प्रदेश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सनातन परंपरा के गौरव को संरक्षित करने की दिशा में लगातार कई ठोस निर्णय ले रहे हैं जो भविष्य में धार्मिक और सांस्कृतिक अभ्युदय की नई लकीर खींचेंगे। मोहन सरकार ने धार्मिक पर्यटन को आर्थिक विकास का इंजन बनाया है। हेलीकॉप्टर सेवाएं, एयर एंबुलेंस और बेहतर कनेक्टिविटी से श्रद्धालु अब अधिक आसानी से पहुंच रहे हैं। अयोध्या में आस्था भवन का निर्माण भी इस दिशा में महत्वपूर्ण है। ये प्रयास न केवल सनातन परंपराओं को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति दे रहे हैं। गौ-पालन को बढ़ावा, गौ-दुग्ध पर बोनस और गौशालाओं को समर्थन देकर सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित भी भी दिया जा रहा है। वैष्णो देवी मॉडल अपनाते हुए प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों को बेहतर सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। ओरछा में श्री राम राजा लोक का पुनर्विकास, चित्रकूट विकास प्राधिकरण की स्थापना और स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत कई केंद्रों की स्थापना की जा रही है। बीते दिनों मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी उस समय बनी, जब सीएम डॉ. मोहन यादव मंदिर पहुंचे और मां वाग्देवी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। पद पर रहते हुए भोजशाला पहुंचने वाले डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने।15 मई को इंदौर खंडपीठ द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण निर्णय के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने हिंदू पक्ष को वर्षभर पूजा-अर्चना की अनुमति दी। इस फैसले के बाद पहली बार प्रदेश के किसी मुख्यमंत्री का भोजशाला पहुंचना राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। धार में माता सरस्वती लोक की बड़ी घोषणा हुई जिसके बाद धार पुरातत्व का पर्यटन का भी केन्द्र बनेगा। यहीं पर राजा भोज शोध संस्थान भी बनेगा। इन बड़ी घोषणाओँ को मोहन सरकार की गंभीरता और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

2028 में उज्जैन सिंहस्थ आयोजन हेतु प्रदेश में व्यापक तैयारी चल रही है। यहाँ पर राज्य सरकार व्यापक स्तर पर तीर्थयात्रियों के लिए विश्व-स्तरीय सुविधाएं और अधोसंरचना विकसित कर रही है। शिप्रा घाटों का विकास, आधारभूत संरचना मजबूत करना और आध्यात्मिक अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। सरकार ने धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के माध्यम से कई मंदिरों के जीर्णोद्धार, परिसर विकास और सुविधाओं के विस्तार का बड़ा रोडमैप तैयार किया है।

हर्षवर्धन पान्डे

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार

आज कल देश के हर हिस्से में बड़र पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का धंधा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निमार्ता होने के कारण इसे विश्व की फामेर्सी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इनमें मिलावट का धंधा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं।थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निमार्ता देश मे गैर मानकीकृत स्तर

की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं।

नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली साल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिवर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। ड्रग सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करते हैं।ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से भी बेची जा रही हैं। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिनर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटानिल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अचानक मौत होने का अत्यधिक खतरा रहता है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है।इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोग शालाओं ने 46 दवा नमूनों को नॉट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. क्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्यों

की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निमार्ता द्वारा बनाई गई एक स्प्यूरियस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया।

इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एडेनोसिन इंजैक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजैक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसैंस रद्द कर दिया है।

राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सीटोसिन इंजैक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रहकर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सीटोसिन) इंजैक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजैक्शनों में आक्सीटोसिन की मात्रा शून्य पाई गई।जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने अमृतसर स्थित एक लैबोरेटरी से (जिसका लाइसैंस अब रद्द किया जा चुका है) इसकी कुल 9300 डोज खरीदी थीं जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिकी दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजैक्शन कहां से आए !

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने को भी कहा है कि ये इंजैक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके।

इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनीयता यकीनी बनाने के लिए अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो।क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा।

कैंसर जैसी बीमारी से रोगियों को बचाने के लिए क्यू. आर. कोड का नियम लागू करना सही है परंतु यह आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए।केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग्स विभाग की टीमें लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मेसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छपाई, और सील टूटी होने जैसी विसंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निमार्ता की जानकारी को सत्यापित करें।हर खरीद पर कैश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग संदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास शिकायत दर्ज कराएं।

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- देश में प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी प्रणाली उपयुक्त नहीं

काठमांडू। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने कहा है कि प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी प्रणाली नेपाल के लिए उपयुक्त नहीं है। उनका तर्क है कि देश की सामाजिक संरचना और विविधता ऐसी शासन प्रणाली का समर्थन नहीं करती। काठमांडू में वामपंथी दिवंगत नेता मदन भंडारी की 75वीं जयंती पर आयोजित 'नेपालको कम्युनिस्ट आन्दोलन र जननेता मदन भण्डारी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल की मौजूदा शासन प्रणाली में बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। भण्डारी ने कहा कि व्यावहारिक जरूरतों और कार्यान्वयन के अनुभव के आधार पर संवैधानिक संशोधन पर विचार किया जा सकता है, लेकिन नेपाल जैसे बहुजातीय, बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश में प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी मॉडल प्रासंगिक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में केवल समय-समय पर चुनाव जीतकर जनादेश प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। जनसमर्थन हासिल करने के बाद भी संवैधानिक मूल्यों, कानून के शासन और सार्वजनिक जवाबदेही का पालन लगातार होना चाहिए। नेपाल के कम्युनिस्ट आंदोलन की वर्तमान स्थिति पर भण्डारी ने कहा कि कम्युनिस्ट दलों को हालिया प्रतिनिधि सभा चुनाव परिणामों को गंभीर आत्ममंथन और आत्ममूल्यांकन के अवसर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने केवल एक चुनावी नतीजे के आधार पर जनता के बहुदलीय जनवाद की प्रासंगिकता या कम्युनिस्ट आंदोलन के भविष्य को लेकर जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने के खिलाफ चेतावनी दी। दिवंगत नेता मदन भंडारी के राजनीतिक विचारों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि रचनात्मकता की कमी लंबे समय से कम्युनिस्ट आंदोलन की एक प्रमुख चुनौती रही है और यह बात आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। भण्डारी ने कहा कि जनता के घटते विश्वास को गंभीरता से स्वीकार करना होगा। उन्होंने इसके लिए बदलती जन आकांक्षाओं और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप नीतियों, संगठन और कार्यशैली में आवश्यक नवाचार लाने में विफलता को जिम्मेदार ठहराया।

नेपाल में जेन जी सरकार बनने के बाद भी नहीं थमा विदेशों में बेरोजगारों का पलायन

काठमांडू। नेपाल में जेन जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बावजूद रोजगार के लिए विदेश जाने वाले नेपाली युवाओं का पलायन थमता नजर नहीं आ रहा है। हर शाम हजारों युवा नेपालियों को काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर देखा जा सकता है, जहां वे बेहतर रोज़गार की तलाश में दुनिया के विभिन्न देशों के लिए रवाना होने की तैयारी करते हैं। इनमें से कई युवाओं के साथ उनके परिवार के सदस्य भी भावुक विदाई देने पहुंचते हैं, जो देश में आजीविका की लगातार बनी चुनौती को दर्शाता है।

फिलहाल सरकार का नेतृत्व कर रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने चुनाव प्रचार के दौरान नेपाल के भीतर रोजगार के अवसर पैदा करने और युवाओं के विदेश पलायन को रोकने का वादा किया था। पार्टी ने बढ़ते पलायन के लिए पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बावजूद अभी भी कई उद्योग संघर्ष कर रहे हैं और सीमित रोज़गार के अवसरों को लेकर चिंता बनी हुई है। हर दिन हजारों नेपाली युवा बेहतर आय और आर्थिक सुरक्षा की तलाश में भारत, मलेशिया, सिंगापुर सहित सभी खाड़ी देशों, यूरोप और अमेरिका जैसे गंतव्यों के लिए देश छोड़ रहे हैं। विदेश रवाना हो रहे कई युवाओं ने निराशा जताते हुए कहा कि सरकार बदलने के बाद नेपाल में ही काम मिलने की जो उम्मीद थी, वह पूरी नहीं हो सकी। एयरपोर्ट का दृश्य न केवल व्यक्तिगत सपनों और आकांक्षाओं को दिखाता है, बल्कि देश की युवा कार्यशक्ति को देश में बनाए रखने की बड़ी चुनौती को भी उजागर करता है। लगातार जारी पलायन से नेपाल की पुरानी रोजगार और आर्थिक चुनौतियां सामने आ रही हैं। देश के राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव जरूर हुआ है, लेकिन श्रम पलायन की स्थिति लगभग जस की तस बनी हुई है। श्रम तथा रोजगार मंत्री रामजी यादव ने कहा कि सरकार अपनी तरफ से इस प्रयास में लगी है कि युवाओं का पलायन रोका जा सके। नए रोजगार और काम के अवसर को उपलब्ध कराने के लिए सरकार की तरफ से दिन रात काम करने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले दिन में युवाओं के पलायन को कम होते देखा जा सकता है।

मप्र की रत्नगर्भा नगरी पन्ना में फिर चमकी एक मजदूर की किस्मत, मिला बेशकीमती हीरा

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना की धरती ने एक बार फिर हीरा उगला है, जिससे एक मजदूर की किस्मत चमक उठी है। यहां राजू आदिवासी नाम के मजदूर को खदान में काम करते हुए 11.19 कैरेट का उज्ज्वल किस्म का हीरा मिला। इस हीरे की अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। राजू आदिवासी ने पन्ना जिले के अहिरगवा क्षेत्र स्थित खदान का पट्टा लिया था। सोमवार को यहां खुदाई के दौरान राजू को मिट्टी के बीच यह चमचमाता हीरा मिला। हीरा मिलने के बाद राजू ने नियमानुसार उसे पन्ना हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है। हीरा कार्यालय के अधिकारियों ने जांच के बाद इसे 11.19 कैरेट का उज्ज्वल किस्म का हीरा बताया है। इस बेशकीमती हीरे की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है। जिला कलेक्ट्रेट स्थित हीरा कार्यालय के हीरा पारखी अनुपम सिंह ने इसकी शुद्धता की जांच की और नियमानुसार जमा कर लिया। उन्होंने बताया कि इस हीरे की अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से अधिक हो सकती है। हालांकि, इसकी वास्तविक कीमत आगामी नीलामी में तय होगी। नीलामी से प्राप्त राशि में शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार रॉयल्टी और कर की कटौती के बाद शेष राशि हीरा मिलने वाले व्यक्ति को दी जाएगी। मप्र की रत्नगर्भा नगरी में कब किसकी किस्मत चमक जाए, कहा नहीं जा सकता है। पन्ना की धरती से निकलने वाले हीरो कई लोगों को रातों-रात लखपति बना चुके हैं। यह पहली बार नहीं है जब राजू आदिवासी के परिवार को हीरा मिला है। इससे पहले साल 2024 में राजू के भाई राकेश आदिवासी को पट्टी खदान में 19.22 कैरेट का जेम्स क्वालिटी का एक बड़ा हीरा मिला था। वह हीरा नीलामी में लगभग 93 लाख रुपये में बिका था, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया था। इतनी बड़ी रकम मिलने के बावजूद परिवार ने मेहनत करना नहीं छोड़ा है। राकेश आदिवासी ने बताया कि इस नए हीरे की नीलामी से मिलने वाले पैसों का उपयोग वे नई हीरे की खदान लगाने और अपनी किस्मत आजमाने में करेंगे।

महाराष्ट्र के पुणे जिले में बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले में आरोपित को फांसी की सजा

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के भोर स्थित नसरपुर इलाके में साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के बेहद संवेदनशील मामले में विशेष अदालत ने सोमवार को आरोपित भीमराव कांबले(६५) को न्यायाधीश एसआर कांबले ने मृत होने तक फांसी की सजा सुनायी है। आरोपित ने अदालत में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। यह घटना 01 मई 2026 को नसरपुर के एक गौशाला में घटी थी। सिर्फ ६० दिन के अंदर सजा का फैसला आना महाराष्ट्र का पहला और ऐतिहासिक फैसला बताया जा रहा है। अदालत ने आज फैसला सुनाते कहा कि आरोपित का अपराध मृत्युदंड की सजा के लिए पात्र है। देश में कानून का राज है। जितना बड़ा अपराध उतनी ही बड़ी सजा होनी चाहिए। अदालत में सरकारी वकील अजय मिसर, जांच अधिकारी जयमाला पवार उपस्थित थे। अदालत के बाहर लोगों की भारी भीड़ भी मौजूद थी, जो आरोपित को कब्जे में देने की मांग कर रही थी। इसलिए अदालत के बाहर भारी पुलिस बंदोबस्त रखा गया था। उल्लेखनीय है कि 01 मई 2026 को आरोपित ने नसरपुर में साढ़े तीन साल की बच्ची को एक गौशाला में ले गया था। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया इसके बाद बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी तो उसके रिश्तेदारों ने तलाश शुरू की। उस समय उसकी लाश एक गौशाला में मिली। इससे पूरा इलाका दहल गया था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। इलाके के सीसीटीवी फुटेज में यह साफ हो गया कि आरोपित बच्ची को ले जा रहा है, तो पुलिस ने उसे सिर्फ डेढ़ घंटे में ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया। इस मामले की जांच में तेजी लाने के लिए पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने एक स्पेशल जांच टीम बनाई।

कांग्रेस के पापों के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश बना: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, पीलीभीत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस के पापों के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश बना। बांग्लादेश पाकिस्तान बनना आवश्यक नहीं था। पाकिस्तान का निर्माण सत्ता लोलुपता का परिणाम था। उन्होंने कहा कि सपा की साइकिल चलती रही तो दंगे होते रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के पतरासा कुंवरपुर में 569 करोड़ से अधिक लागत की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, उप्र के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस के पाप के कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश बना। बांग्लादेश और पाकिस्तान बनना आवश्यक नहीं था। पाकिस्तान का निर्माण सत्ता लोलुपता का परिणाम था। अगर उस समय का कांग्रेस नेतृत्व अडिग हो गया होता तो जिन्ना अपनी मौत मर गया होता और भारत का दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाखों हिंदुओं का कत्लेआम हुआ। अपनी पैतृक भूमि को छोड़ना पड़ा। स्वतंत्र भारत में उनके मन में अभिलाषा थी कि मुझे जिस आधार पर विभाजन किया गया था, उसके आधार पर भारत में शरण मिलेगी, सम्मानजनक के साथ मैं जीवन यापन कर पाऊंगा। कांग्रेस ने उनकी कभी सुध नहीं ली। योगी ने कहा कि कांग्रेस के हमराज समाजवादी पार्टी को कहां फुर्सत थी, क्योंकि जब इन्हें तुष्टिकरण से फुर्सत हो तब ये पिछड़ों, दलितों, वंचितों के बारे में सोचते। इन्हें तो सिर्फ मुसलमानों की चिंता थी। सिखों, जैनियों, बौद्ध की चिंता नहीं थी। उन्होंने कहा कि सपा की साइकिल चलती रही तो दंगे होते रहेंगे। योगी ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार आई। सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट आया। लंबे समय बाद किसी सरकार ने सोचा कि विस्थापित

♦ **मुख्यमंत्री ने पीलीभीत जिले में 569 करोड़ की 66 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास**

हिन्दुओं, बौद्ध, सिखों और जैन समाज को भी भारत की नागरिकता मिलनी चाहिए, जो पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से विस्थापित हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि याद कीजिए, दिल्ली और विभिन्न राज्यों में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी ने आंदोलन किया। आज जो सर्टिफिकेट वितरित हो रहे हैं, इसी के खिलाफ ये लोग आंदोलन कर रहे थे कि नहीं मिलना चाहिए। इनका तो सबसे पहला उद्देश्य ही यही है कि देश के संसाधनों पर विभाजन के बावजूद पहला अधिकार मुसलमान का होना चाहिए। बाकी किसी का नहीं। यही इनकी कुत्सित चेष्टा थी। यही इनकी तुष्टिकरण की नीति थी। यही पाप ये जिंदगीभर करते रहे और इनके पाप का खामियाजा हिंदू भुगतता रहा। मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए।

कश्मीरी पंडित नर्स मर्डर केस में चार्जशीट दाखिल यासीन मलिक समेत 5 लोगों के नाम शामिल

एजेंसी, श्रीनगर

कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (सीआईए) ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (स्कीम्स) की स्टाफ नर्स सरला भट के अपहरण, टॉर्चर और हत्या के मामले में 737 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। आरोपपत्र में प्रतिबंधित जेकेएलएफ चीफ यासीन मलिक और चार अन्य लोगों के नाम शामिल किये गए हैं।

एजेंसी के मुताबिक यह मामला कश्मीर में आतंकवाद के शुरुआती दौर में हुए सबसे बर्बर आतंकवादी अपराधों में से एक से जुड़ा है। सरला भट का 18 अप्रैल, 1990 को स्कीम्स से अपहरण कर लिया गया था। उन्हें बेरहमी से टॉर्चर किया गया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उसके बाद श्रीनगर की उमर कॉलोनी में ऑटोमैटिक राइफल से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई।

प्रवक्ता ने बताया कि यह केस 18 मार्च, 2024 को सीआईए को सौंपा गया था। बयान में कहा गया है कि चार्जशीट में दशकों से जमा किए गए मौखिक, दस्तावेज़ी, फोरेंसिक, बैलिस्टिक, मेडिकल और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों का एक मज़बूत संग्रह शामिल है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के चरम पर होने के दौरान बने असाधारण हालात की वजह से यह केस दशकों तक अनसुलझा रहा। आतंकवादी संगठनों की धमकी और आतंक के माहौल ने गवाहों के सामने आने और ज़रूरी तथ्य बताने की क्षमता पर बुरा असर डाला था।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच से यह साबित हुआ कि सरला भट की हत्या हिंसा की कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, बल्कि जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) की कमान और कंट्रोल में रची गई एक बड़ी आतंकवादी साज़िश का हिस्सा थी। जांच से पता चला है कि अपहरण और बेरहमी से हत्या की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में जेकेएलएफ के तत्कालीन चीफ कमांडर मोहम्मद यासीन मलिक के साथ-साथ खुर्शीद अहमद चालकू, अब्दुल हामिद शेख, मोहम्मद यूसुफ सूफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू शामिल थे। बयान में कहा गया है कि अब्दुल हामिद शेख, मोहम्मद यूसुफ सूफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू की मौत हो चुकी है और मोहम्मद यासीन मलिक अभी किसी दूसरे मामले में न्यायिक हिरासत में है।

मौलाना सैयद सलमान हुसैनी नदवी का निधन

एजेंसी, नई दिल्ली

'इंडियन मुस्लिम्स फॉर सिविल राइट्स' (आईएमसीआर) ने भारत के प्रमुख इस्लामी विद्वान, विचारक, बुद्धिजीवी, लेखक और मुसलमानों की प्रभावशाली आवाज़, मौलाना सैयद सलमान हुसैनी नदवी के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। संगठन ने उनके निधन को न केवल भारत के मुस्लिम समुदाय के लिए, बल्कि पूरी मुस्लिम दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। अपने शोक संदेश में आईएमसीआर ने कहा कि मौलाना सलमान हुसैनी नदवी ज्ञान, बौद्धिक जागृति, इस्लामी उपदेश, सामाजिक सुधार और मुस्लिम उम्माह (समुदाय) की सामूहिक चेतना व एकता के एक चमकते प्रतीक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन इस्लाम के प्रचार-प्रसार, मुस्लिम उम्माह के मार्गदर्शन, युवा पीढ़ी के बौद्धिक और नैतिक विकास तथा उम्माह के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने में समर्पित कर दिया। उनके निधन से एक ऐसी शैक्षणिक और विद्वतापूर्ण शून्यता पैदा हुई है, जिसे भरना मुश्किल होगा।

♦ **इंडियन मुस्लिम्स फॉर सिविल राइट्स ने शोक जताया**

अपने शोक संदेश में आईएमसीआर के अध्यक्ष और पूर्व सांसद मोहम्मद अदीब ने कहा कि मौलाना सलमान हुसैनी नदवी का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक बड़ा सदमा है। मोहम्मद अदीब ने आगे कहा कि मौलाना सैयद सलमान हुसैनी नदवी ने न केवल इस्लामी ज्ञान के शिक्षण और प्रसार में प्रमुख भूमिका निभाई, बल्कि मुस्लिम उम्माह के सामने आने वाली समकालीन, सामाजिक और बौद्धिक चुनौतियों पर लगातार स्पष्ट, साहसी और तर्कसंगत रुख भी अपनाया।

शिवराज सिंह ने लॉन्च किया 'लखपति दीदी डैशबोर्ड' और 'शी लीप्स' प्लेटफॉर्म, छह करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए 'लखपति दीदी डैशबोर्ड' और 'शी लीप्स' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। पूसा परिसर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' के दूसरे दिन उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखपति दीदी योजना का लक्ष्य तीन करोड़ से बढ़ाकर छह करोड़ महिलाओं तक कर दिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का बैंक लिंकिंग रोडमैप तैयार किया गया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्यों को समय पर अपना वित्तीय अंश जारी करना होगा। उन्होंने ग्रामीण विकास विभागों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने, अधिकारियों के बार-बार तबादलों पर रोक लगाने तथा जिम्मेदार पदों पर कम से कम दो से तीन वर्ष तक अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित

करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार, जनजागरूकता, सोशल ऑडिट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली को मजबूत करने पर भी जोर दिया।केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि कई राज्यों ने उत्कृष्ट कार्य किया है, जबकि कुछ राज्यों को अपने प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है। सम्मेलन में देशभर के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और नीति-निर्माताओं के साथ विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के अलावा "विकसित ग्राम–विकसित भारत" के लक्ष्य को साकार करने की रणनीतियों पर भी व्यापक मंथन हुआ।

अपने संबोधन में शिवराज सिंह चौहान ने कहा, "गांव केवल धूल-मिट्टी या चौपाल का नाम नहीं, बल्कि भारत की शक्ति, चेतना और आत्मा हैं। यदि विकसित भारत का निर्माण करना है तो गांवों का समृद्ध और विकसित होना अनिवार्य है।" उन्होंने कहा कि पहली बार 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री एक मंच पर एकत्र हुए हैं। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने इसे सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण बताया, जहां राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर विकास पर चर्चा की गई। शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के सफल मॉडलों, जैसे मल्टी-चैनल मार्केटिंग, सामुदायिक उद्यम और हाउसहोल्ड आजीविका ऋण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अन्य राज्यों के साथ साझा किया जाएगा, ताकि उन्हें पूरे देश में लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि राज्यों को किसी नियम या प्रक्रिया में व्यावहारिक कठिनाई आती है तो ग्रामीण विकास मंत्रालय कैबिनेट और वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर आवश्यक संशोधनों पर विचार करेगा।

संभावित कम बारिश को देखते हुए केंद्रीय मंत्री ने 14 राज्यों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने जल संरक्षण संरचनाओं को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार की अग्रिम तैयारी करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी परिस्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। सम्मेलन के दौरान युवाओं और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित वीबी-जी राम कार्यक्रम से जुड़ी लोगो डिजाइन, क्विज और डिजिटल कंटेंट प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी शिवराज सिंह चौहान ने सम्मानित किया।

पलामू में रहस्यमयी बीमारी से 10 दिनों में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत, स्वास्थ्य विभाग ने तेज की जांच

एजेंसी, पलामू

झारखंड के पलामू जिले के पड़वा प्रखंड स्थित सिक्का गांव में रहस्यमयी बीमारी से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार तड़के रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में इलाज के दौरान नकुल महतो की मौत हो गई। इसके साथ ही पिछले 10 दिनों में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की जान जा चुकी है। परिवार के अन्य सदस्य अब भी रिम्स में भर्ती हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मृतकों में सबसे पहले 19 जून को कुलदीप महतो की मौत हुई थी। इसके बाद 20 जून को उनकी बेटी बबीता कुमारी, 26 जून को दूसरी बेटी इंदु कुमारी, 28 जून को बहू श्वेता कुमारी और 29 जून को बेटे नकुल महतो की मौत हो गई। श्वेता और नकुल ने रिम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ा, जबकि कुलदीप महतो की पत्नी लाखो देवी, एक बेटा और एक पोता अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार,

बीमार होने के बाद परिवार ने चिकित्सकीय उपचार के बजाय लंबे समय तक झाड़-फूंक का सहारा लिया। कुलदीप महतो और उनकी बेटी की मौत के बाद भी परिवार इलाज कराने के बजाय लेस्लीगंज के पूर्णाडीह क्षेत्र में झाड़-फूंक करवाता रहा। जांच में यह भी सामने आया है कि परिवार के सदस्य लंबे समय से किसी प्रकार की राख का सेवन कर रहे थे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिक्का गांव और पूर्णाडीह पहुंचकर उस राख के नमूने एकत्र किए हैं, जिसका सेवन परिवार कर रहा था। साथ ही परिवार के खान-पान और अन्य संभावित कारणों की भी विस्तृत जांच की जा रही है। जिले के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने परिवार को चार बार इलाज के लिए रेस्क्यू किया था, लेकिन वे बार-बार झाड़-फूंक का सहारा लेते रहे। उन्होंने कहा कि राख के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं और पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

पाटन के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार ने बताया कि रिम्स में पांचवीं मौत के बाद जांच और तेज कर दी गई है। विशेषज्ञों की टीम गांव पहुंचकर लोगों के खान-पान, रहन-सहन और अन्य संभावित कारणों की जानकारी जुटा रही है। इस बीच मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डॉ. आर.के. रंजन ने बताया कि मृतकों के पोस्टमार्टम के दौरान विसरा सुरक्षित रख लिया गया है, जिसे पुलिस फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) जांच के लिए भेजेगी। उन्होंने आशंका जताई कि मामला ड्रॉप्सी बीमारी से भी जुड़ा हो सकता है।

शहीद छह सैनिकों के नाम 13 महीने बाद सार्वजनिक करने पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए छह सैनिकों के नाम 13 महीने बाद सार्वजनिक किए जाने पर सरकार और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर निशाना साधा है। कांग्रेस के एक्स-सर्विसमैन विभाग के अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी (रि.) ने आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री ने सदन में गलत जानकारी दी और शहीदों की अनदेखी की है।

कर्नल रोहित चौधरी ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी भी सैनिक की क्षति नहीं हुई, जबकि बाद में सरकार ने शहीदों के नाम सार्वजनिक किए। शहीदों के नाम सामने आने में 13 महीने की देरी हुई, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने रक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि उनके खिलाफ विशेषाधिकार

हनन प्रस्ताव लाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार और सत्ता पक्ष के सांसदों को माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने ऑपरेशन के दौरान सेना को खुली छूट नहीं दी और विदेश नीति कमजोर रही, जिससे पाकिस्तान को वैश्विक संस्थानों से लोन मिला और आतंकी संगठनों पर नजर रखने की जिम्मेदारी उसी को सौंप दी गई। उन्होंने अग्निवीर योजना को भी समाप्त करने की भी मांग की।

केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए छह सैनिकों के नाम 'नेशनल वॉर मेमोरियल' के 'रोल ऑफ ऑनर' में शामिल किए हैं। अब ये नाम स्मारक की मुख्य दीवार 'त्याग चक्र' पर स्थायी रूप से अंकित रहेंगे।

तमिलनाडु : अन्नाद्रमुक विधायक एम.आर. विजयभास्कर ने दिया इस्तीफा

विधानसभा में रिक्त सीटों की संख्या बढ़कर हुई सात

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में सोमवार को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया। करूर विधानसभा क्षेत्र से अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के विधायक एवं पूर्व मंत्री एम.आर. विजयभास्कर ने अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही राज्य विधानसभा में रिक्त सीटों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। सोमवार को एम.आर. विजयभास्कर सचिवालय पहुंचे और विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा। विधानसभा अध्यक्ष ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसकी जांच करने के बाद इस्तीफा स्वीकार कर लिया। विधानसभा अध्यक्ष की

ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि विधानसभा के नियम-21 के तहत विधायक ने स्वयं हस्ताक्षरित इस्तीफा प्रस्तुत किया था। नियम-22 के अनुसार आवश्यक जांच के बाद इस्तीफा स्वैच्छिक एवं विधिसम्मत पाया गया, जिसके आधार पर उसे स्वीकार कर लिया गया। एम.आर. विजयभास्कर के इस्तीफे से पहले तमिलनाडु विधानसभा की छह सीटें रिक्त थीं। उनके इस्तीफे के बाद रिक्त सीटों की संख्या सात हो गई है, जिससे संभावित उपचुनावों को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,811 करोड़ के लाभांश का चेक प्रदान किया

मुंबई

भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने दिनांक 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए माननीय केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री को श्रीमती निर्मला सीतारमण 2,811 करोड़ के लाभांश का चेक प्रदान किया। डॉ. देबदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने वित्त मंत्री को लाभांश राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर श्री संजय लोहिया, (IAS), सचिव, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफ़एस) तथा श्री ललित त्यागी, श्री संजय मुदालियर, श्री लाल सिंह और सुश्री बीना वाहिद, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

उपस्थित रहे। लाभांश का यह भुगतान बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सुदृढ़ वित्तीय कार्यनिष्पादन और सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन के प्रति बैंक की निरंतर प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बैंक ने 2 प्रति शेयर के अंकित मूल्य पर 8.50 प्रति इक्विटी शेयर के लाभांश की घोषणा की, जो अंकित मूल्य का 425% है। वित्त वर्ष 2025-26 बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा, जिसमें बैंक ने पहली बार वार्षिक लाभ में 20,000 करोड़ के आंकड़े को पार करते हुए 20,021 करोड़ का स्टैंडअलोन निवल लाभ दर्ज किया। दिनांक 31 मार्च, 2026 तक बैंक का वैश्विक कारोबार भी 30 लाख करोड़ से अधिक हो गया है।

सूरज नांबियार से सेपरेशन के बाद बोलीं मौनी राय

मैं आसानी से माफ कर देती हूं

अपने पति सूरज नांबियार से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस मौनी रॉय ने माफी, भावनात्मक घावों और मुश्किल अनुभवों से उबरने में आध्यात्मिकता की भूमिका के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ माफी को लेकर उनकी समझ कैसे बदली है। इस बीच वो एक्टिंग में भी लगातार सक्रिय हैं।

बातचीत में मौनी रॉय ने कहा कि कम उम्र में भी लोगों को माफ करना कभी मुश्किल काम नहीं था। असली चुनौती तो उसके बाद भी रह जाने वाले दर्द को भूलना थी। जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं बहुत आसानी से माफ कर देती थी और आज भी करती हूं, लेकिन मैं भूल नहीं पाती थी। अब अपनी पर्सनल और आध्यात्मिक यात्रा के साथ मुझे लगता है कि बस माफ कर देना चाहिए। भगवान ही आपको भुलाने में मदद करते हैं।

ज्यादा तकलीफ उसे होती है, जो छोड़ नहीं पाता

मौनी ने माफी को एक ऐसी प्रक्रिया बताया जो तब आसान हो जाती है, जब आप दुख को हमेशा ढोते रहने वाली चीज मानना छोड़ देते हैं। उनके अनुसार, नाराजगी को मन में बनाए रखने से अक्सर उसी व्यक्ति को ज्यादा तकलीफ होती है जो उसे छोड़ नहीं पाता। अगर आप इसे जाने नहीं देंगे, तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको ही होगी। उन्होंने उस असंतुलन के बारे में भी बात की जो अक्सर किसी के दुख पहुंचाने के बाद पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिसे दुख पहुंचा है, वह उस अनुभव को लंबे समय तक बार-बार याद करता रह सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति उससे आगे बढ़ चुका होता है। कभी-कभी जिस व्यक्ति ने आपको दुख पहुंचाया होता है, वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा होता, चाहे उन्होंने आपको कितना भी गहरा दुख क्यों न दिया हो।

मेडिटेशन ने बदला नजरिया

एक्ट्रेस ने हाल के साल में ज्यादा शांति और स्पष्टता पाने का श्रेय मेडिटेशन, मंत्र-जाप और आध्यात्मिकता जैसी चीजों को दिया। उन्होंने बताया कि इन अनुभवों ने रिश्तों, निराशा और इमोशनल रिकवरी के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया है।

साथ ही मौनी ने यह भी साफ किया कि माफ करने का मतलब नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को नजरअंदाज करना या उसके अस्तित्व को नकारना नहीं है। उन्होंने किसी व्यक्ति को जज करने और नुकसानदेह कामों या आदतों को पहचानने के बीच फर्क बताया। उन्होंने समझाया कि कुछ बुरे लोग होते हैं जो आपको दुख पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं उस व्यक्ति को बुरा नहीं कह रही हूं, बल्कि उनकी आदतों को बुरा कह रही हूं।

'अब होगा हिसाब' में नजर आई मौनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार 'अब होगा हिसाब' में नजर आई हैं। इसमें उनके साथ शाहिर शेख, संजय कपूर और अविनाश मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इससे पहले मौनी वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी नजर आई थीं।

अब कॉमेडी करना मुश्किल हो गया है

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा है। इस कॉमेडी फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अक्षय कुमार का मानना है कि डिजिटल दौर में कॉमेडी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जहां मीम्स और इंस्टाग्राम रील्स रोजाना लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। एक्टर ने स्टैंड-अप कॉमेडियंस की भी तारीफ की कि वे किस तरह लोगों को हंसाते हैं।

आज हर जगह रील्स और मीम्स के जरिए कॉमेडी कंटेंट मौजूद है बातचीत में अक्षय ने माना कि मौजूदा वक्त में कॉमेडी करना काफी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अब और भी मुश्किल हो गया है। आज हर जगह रील्स, मीम्स और कॉमेडी कंटेंट मौजूद हैं। लेकिन कॉमेडी एक बड़ी नदी की तरह है; यह कभी सूखती नहीं है। कॉमेडी के कई रूप हैं, जैसे फिजिकल कॉमेडी, सिचुएशनल कॉमेडी, स्लैपस्टिक कॉमेडी और डार्क ह्यूमर। एक्टर ने भारत में पिछले कुछ साल में कॉमेडी के नए तरीकों जैसे स्टैंड-अप के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाने के अनगिनत तरीके हैं।

अगर आप इंस्टाग्राम खोलें, तो आपको ढेर सारे मीम्स और मजेदार वीडियो मिल जाएंगे। लोग रोजाना कॉमेडी देखते-सुनते हैं। बहुत सारे कॉमेडी शो और टैलेंटेड स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं जो नया कंटेंट बना रहे हैं। लेकिन लोगों को हंसाना आज भी सबसे मुश्किल कामों में से एक है। लोग अक्सर कॉमेडी को कमतर आंकते हैं। मैं स्टैंड-अप कॉमेडियन का बहुत सम्मान करता हूं। दर्शकों के सामने अकेले खड़े होकर लोगों को हंसाना वाकई बहुत मुश्किल काम है।

इमरान हाशमी की फिल्म 'रूह' की हुई घोषणा

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मेकर्स ने वीडियो में ही बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म फिल्म में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अब अपने करियर में एक बार फिर नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ लेने की तैयारी में हैं। खबरों के मुताबिक, वह निर्देशक राही अनिल बर्वे की एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। राही वही फिल्मकार हैं, जिन्होंने अपनी चर्चित फिल्म 'तुम्बाड' के जरिए भारतीय हॉरर सिनेमा को नया आयाम दिया था। सूत्रों के अनुसार, जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। जाह्नवी फिलहाल कई स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं, लेकिन इस हॉरर प्रोजेक्ट में उनकी विशेष रुचि बताई जा रही है। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसे क्रिएचर हॉरर की श्रेणी में रखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए प्री-प्रोडक्शन और शुरुआती तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

सुपर सुब्बू का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।

सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो।

किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता

अली फजल इन दिनों वेब सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। अली ने अपने रोल और इस सीरीज के बारे में बातें साझा कीं।

इस सीरीज को हां करने की वजह क्या रही?

यह कहानी आज के समय में बेहद प्रासंगिक है। हालांकि इसकी प्रेरणा एक कुख्यात केस से ली गई है, जो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। दिल्ली उस दौर की तुलना में काफी बदल चुकी है, लेकिन उस समय के कई लोग आज भी मिलते हैं और बताते हैं कि तब क्या-क्या हुआ था। हाल ही में किसी ने मुझे बताया कि उस केस के दोनों आरोपी मुंबई के जेवीपीडी इलाके में भी देखे गए थे। यही बात इस मामले को और चौंकाने वाली बनाती है। साथ ही यह सवाल भी उठता है कि आज ऐसे कितने मामले हो रहे हैं। मेरे हिसाब से सिनेमा की जरूरत तब पड़ती है, जब लोगों को जागरूक करना हो कि एक परिवार के साथ जो हुआ, वह किसी और के साथ न हो। वहीं, जय प्रकाश का किरदार मुझे बहुत दिलचस्प लगा।

सब-इंस्पेक्टर के किरदार में ढलने के लिए आपने क्या-क्या किया?

इस किरदार को गढ़ने में मेरी पूरी टीम का बड़ा योगदान रहा। हम सभी ने इस पर काफी रिसर्च की और बहुत पढ़ाई की। शुरुआत में हमने सिर्फ सीन पढ़े, फिर धीरे धीरे किरदार की दुनि दुनिया में उतरते गए। हमने समझने की कोशिश की कि अगर यह उस दौर का व्यक्ति है, तो उसकी फितरत कैसी होगी, उसकी आदतें क्या होंगी। कहानी इमरजेंसी के बाद के समय की है, इसलिए उस दौर में पुलिस कैसे काम करती थी? इस पर भी काफी चर्चा हुई। उदाहरण के तौर पर उस समय दिल्ली में कॉन्स्टेबल्स को शॉर्ट्स पहनने से मना कर दिया गया था। लोगों की भाषा भी काफी पुख्ता थी और वे ज्यादातर हिंदुस्तानी में बात करते थे। मेरे हिसाब से इन सभी पहलुओं को गहराई से समझना इस किरदार की तह तक पहुंचने के लिए बेहद जरूरी था।

दर्शकों पर इस सीरीज का क्या प्रभाव पड़ा?

मुझे लोगों से बहुत अलग-अलग और दिलचस्प प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। आमतौर पर ऐसी कहानियों में या तो सिर्फ अपराधी का दृष्टिकोण दिखाया जाता है या फिर पुलिस का, लेकिन इस सीरीज में दोनों के बीच संतुलन रखा गया है। मेरे लिए इसकी सबसे अहम बात 'वर्दी की बंदिश' है। जब आप वर्दी पहनते हैं तो आपके काम करने की एक सीमा तय हो जाती है और आपको उसी दायरे में रहकर काम करना पड़ता है। लोगों को लगता है कि पुलिस के पास बहुत आजादी होती है, लेकिन हकीकत हमेशा वैसी नहीं होती। इस सीरीज में मेरा किरदार भी एक आम इंसान की तरह नजर आता है जो इस केस को पूरी शिद्दत और ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश करता है।

शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

मेरे अनुसार शूटिंग करीब डेढ़ से दो महीने तक चली। हमारे निर्देशकों की यह स्पष्ट इच्छा थी कि हम वास्तविक लोकेशनों पर ही शूटिंग करें और सेट न बनाए जाएं। इसलिए ज्यादातर शूट असली स्थानों पर हुआ। हमने काफी शूटिंग आगरा और उसके आसपास के इलाकों में की। इसके बाद मुंबई में काम किया और फिर मुख्य शूटिंग दिल्ली में हुई। दिलचस्प बात यह रही कि दिल्ली का शेड्यूल मार्च में रखा गया था, जब वहां काफी गर्मी रहती है।

क्या आज के समय में स्टार कास्ट से ज्यादा फिल्म की कहानी केंद्र में आ रही है?

जी, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। जिस दिन कहानी किसी फिल्म की असली हीरो बन जाएगी, उस दिन पूरा खेल बदल जाएगा। उसके बाद अगर उस कहानी के साथ अच्छे कलाकार जुड़ जाएं, तो बात और बेहतर हो जाती है। मेरा मानना है कि अगर कहानी मजबूत नहीं है, तो सिर्फ किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता। इसके अलावा मैं किसी भी स्क्रिप्ट का चयन काफी सोच-समझकर करता हूं।